PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 230 ● भिलाई, शनिवार 21 मार्च 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

प्रदेश के विकास में सबसे बड़ी बाधा नक्सलवाद को डबल इंजन की सरकार ने किया दूर : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ की हमारी धरती सघन वन, प्राकृतिक संसाधन, खनिज संपदा के विपुल भंडार, लोक संस्कृति की अमूल्य विरासत और नैसर्गिक सौन्दर्य का अद्भुत संगम है। इस सुंदर धरती के विकास की सबसे बड़ी बाधा नक्सलवाद को हमारे डबल इंजन की सरकार ने अब दूर कर दिया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने निवास कार्यालय में नेशनल डिफेंस कॉलेज के सैन्य एवं सिविल सेवा अधिकारियों के अध्ययन दल से मुलाकात कर आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने देश-विदेश से आए अधिकारियों का स्वागत करते हुए शाल एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। अध्ययन दल का नेतृत्व कर रहे एयर कमोडोर अजय कुमार चौधरी ने छत्तीसगढ़ प्रवास के अनुभव साझा करते हुए राज्य की भौगोलिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक विशेषताओं की सराहना की। उन्होंने मुख्यमंत्री को सैन्य स्मृति चिन्ह भी भेंट किया।

मुख्यमंत्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ सघन वनों, खनिज संपदा, समृद्ध लोक संस्कृति और नैसर्गिक सौंदर्य का अद्वितीय संगम है। उन्होंने बताया कि राज्य का लगभग 46 प्रतिशत भू-भाग वनों से आच्छादित है, जिसमें एक पेड़ मां के नाम अभियान और कैम्पा योजना का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। साय ने कहा कि राज्य खनिज संसाधनों से परिपूर्ण है—कोयले से लेकर हीरे तक यहां उपलब्ध हैं। छत्तीसगढ़ वर्तमान में विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में सरप्लस राज्य है, जहां लगभग 30 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है।

नेशनल डिफेंस कॉलेज के प्रशिक्षु सैन्य और गैर सैन्य अधिकारियों ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात

उल्लेखनीय है कि नेशनल डिफेंस कॉलेज द्वारा प्रतिवर्ष एक साल का कोर्स आयोजित किया जाता है। इस वर्ष 66वाँ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसमें 120 सैन्य तथा गैर सैन्य अधिकारियों का दल प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 15 अधिकारियों का दल आर्थिक सुरक्षा और रणनीति विषय पर अध्ययन के लिए छत्तीसगढ़ पहुँचा, जिसमें 05 विदेशी सैन्य अधिकारी भी शामिल है।

पीएम मोदी ने ऊर्जा अवसंरचना पर हमलों की निंदा की

अमीर से बातचीत में कतर के प्रति समर्थन दोहराया

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को खाड़ी क्षेत्र में ऊर्जा अवसंरचना हुए हमलों की कड़ी निंदा की और शेख तमीम बिन हमद अल थानी के साथ फोन पर बातचीत के दौरान कतर के प्रति भारत की एकजुटता दोहरायी।

मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर मोदी ने कहा, हम कतर के साथ एकजुटता से खड़े हैं और इस क्षेत्र के ऊर्जा अवसंरचना पर हुए हमलों की कड़ी निंदा करते हैं इस तरह उन्होंने बढ़ते क्षेत्रीय तनाव के बीच महत्वपूर्ण ऊर्जा संपत्तियों के लिए खतरों के खिलाफ भारत का रुख मजबूती से रखा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने कतर के नेतृत्व और वहां की जनता को ईद की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने कहा, मैंने अपने भाई कतर के अमीर, महामहिम शेख तमीम बिन हमद अल थानी से बात की और उन्हें तथा कतर की जनता को ईद की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री की ओर से ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं, जब मध्य पूर्व में ऊर्जा सुविधाओं की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं; यह क्षेत्र वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आयात पर अत्यधिक निर्भर भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए खाड़ी क्षेत्र में स्थिरता की आवश्यकता पर लगातार जोर दिया है।

अब रायगढ़ के तमनार में मिली अफीम की खेती, एक हिरासत में, जमीन किसकी पता लगा रही पुलिस

रायगढ़। रायगढ़ के तमनार थाना इलाके के आमाघाट में अफीम की खेती पकड़ी गई है। यहाँ तरबूज, ककड़ी की खेती के बीच करीब एक एकड़ में अफीम की खेती हो रही थी। मामले की सूचना पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची है। दुर्ग, बलरामपुर के बाद अब रायगढ़ में अफीम खेती मिली है। बताया जा रहा कि आमाघाट के नदी किनारे करीब एक एकड़ में अफीम की खेती हो रही थी। इसकी जानकारी मिलते ही एसपी, एडिशनल एसपी समेत जिला प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रहे हैं। पुलिस झारखंड के एक आरोपी मार्शल सांगा को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। हालांकि यह जमीन किसकी है यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। जमीन सरकारी बताई जा रही है।

दुर्ग में अफीम की खेती

बता दें कि सबसे पहले दुर्ग जिले में करीब पांच एकड़ में अफीम की खेती पकड़ी गई थी, जहां समोदा गांव में भाजपा नेता विनायक ताम्रकार के खेत में अवैध अफीम की खेती हो रही थी। इस मामले में बड़ी लापरवाही सामने आने के बाद कलेक्टर ने ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी एकता साहू को निलंबित कर दिया गया है। वहीं पुलिस ने अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

रूस ने ईरान युद्ध को तत्काल समाप्त करने का किया आह्वान

मास्को। रूसी विदेश मंत्रालय ने फारस की खाड़ी क्षेत्र में उत्पन्न स्थिति के संबंध में कहा कि मास्को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के खिलाफ बिना उकसावे वाले आक्रमण से उत्पन्न शत्रुता को तत्काल समाप्त करने का आह्वान करता है। रूसी विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि मॉस्को लगातार मित्र अरब देशों और ईरान के बीच शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं पड़ोसी देशों के साथ सहअस्तित्व वाली परिस्थितियां बनाने की आवश्यकता की वकालत करता है। बयान में कहा गया, हम इस बात पर बल देते हैं कि इस दिशा में पहला कदम अमेरिका और इज़रायल द्वारा अपने सैन्य अभियान का तत्काल त्याग होना चाहिए। मंत्रालय ने इस बात की पुष्टि की कि रूस इस क्षेत्र में दीर्घकालिक स्थायी स्थिरता प्राप्त करने के लिए, वहां स्थित सभी देशों के हितों को ध्यान में रखते हुए, राजनीतिक एवं राजनयिक माध्यमों से संघर्ष को सुलझाने और मौजूदा विवादों का समाधान खोजने में सहायता करने के लिए तत्पर है। बयान में आगे कहा गया, हम पश्चिम एशिया में राजनीतिक एवं राजनयिक माध्यमों से संघर्ष सुलझाने और मौजूदा विरोधाभासों को दूर करने में रचनात्मक सहायता प्रदान करना जारी रखने के लिए तैयार हैं।

जिसमें क्षेत्र के सभी देशों के वैध हितों को संतुलित करने के लिए एक स्थायी समाधान खोजने हेतु संयुक्त प्रयासों के लिए परिस्थितियां बनाना शामिल है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किए प्रेमानंद महाराज के दर्शन, आध्यात्मिक उपदेशों से हुईं अभिभूत

मथुरा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु अपने मथुरा दौरे के दूसरे दिन वृंदावन के परिक्रमा मार्ग स्थित श्री हित राधा केली कुंज आश्रम पहुँचीं।

यहाँ उन्होंने प्रख्यात संत प्रेमानंद महाराज जी से शिष्टाचार भेंट की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। आश्रम पहुंचने पर राष्ट्रपति का भव्य स्वागत किया गया। इसके उपरांत, उन्होंने पूज्य महाराज जी के साथ एकांत में वार्तालाप किया। राष्ट्रपति मुर्मु ने महाराज जी के द्वारा दिए जा रहे सत्संग और मानवता के कल्याण के लिए उनके द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रपति ने महाराज जी के उपदेशों और प्रवचनों को अत्यंत ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने महाराज जी से भक्ति मार्ग, मानसिक शांति और सेवा भाव जैसे विषयों पर चर्चा की। भेंट के दौरान राष्ट्रपति जी की सादगी और महाराज जी के प्रति उनकी अटूट श्रद्धा स्पष्ट दिखाई दी। महाराज जी ने राष्ट्रपति को राधा नाम की महिमा और निस्वार्थ कर्म के महत्व के बारे में बताया। पूज्य प्रेमानंद महाराज, जो अपने प्रखर विचारों और 'राधा वल्लभ' संप्रदाय की भक्ति परंपरा के लिए विश्वभर में जाने जाते हैं, ने राष्ट्रपति जी को मंगलमय जीवन और राष्ट्र की प्रगति के लिए अपना आशीर्वाद प्रदान किया। राष्ट्रपति के आगमन को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और पुलिस द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

परिक्रमा मार्ग पर यातायात को कुछ समय के लिए डाइवर्ट किया गया था। इस भेंट के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के वरिष्ठ प्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित रहे। यह मुलाकात न केवल आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रही, बल्कि इसने भारतीय संस्कृति में सत्ता और संत के बीच के गहरे जुड़ाव को भी रेखांकित किया।

प्रीमियम पेट्रोल दो रुपये प्रति लीटर महंगा

नयी दिल्ली। तेल विपणन कंपनियों ने प्रीमियम पेट्रोल के दाम दो रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिये हैं, जबकि खुदरा (सामान्य) पेट्रोल और किसी भी तरह के डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिल्ली के इरविन रोड सर्विस स्टेशन पर आज से प्रीमियम पेट्रोल 'एक्सपी95' की कीमत 101.89 रुपये प्रति लीटर हो गयी है। पहले इसकी कीमत 99.89 रुपये प्रति लीटर थी। सामान्य पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल की 87.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। प्रीमियम डीजल एक्सजी की कीमत भी 91.49 रुपये प्रति लीटर पर अपरिवर्तित रखी गयी है। इंडियन ऑयल के अलावा दूसरी कंपनियों भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने भी कीमतों में लगभग इतनी ही बढ़ोतरी की है।

लंबे समय बाद किसी भी तरह के पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े हैं। पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे इसके दाम बढ़े हैं। बढ़ी लागत की भरपाई के लिए तेल विपणन कंपनियों में प्रीमियम पेट्रोल के दाम बढ़ाये हैं।

अब सीबीआई करेगी 165 करोड़ के भिलाई यस बैंक घोटाले की जांच

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने 165 करोड़ रुपये के भिलाई यस बैंक घोटाले की जांच के लिए सीबीआई को निर्देश जारी किया है। कोर्ट ने राज्य सरकार की जांच प्रक्रिया पर नाराजगी जताते हुए यह आदेश जारी किया है।

मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की जांच प्रक्रिया पर असंतोष जताते हुए कहा, घोटाले में तथ्यों को छुपाने और जांच के नाम पर लीपापोती की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने यस बैंक द्वारा जांच में अपेक्षित सहयोग ना करने को लेकर भी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने दो टूक में कहा कि निष्पक्ष जांच के लिए सीबीआई जांच एकमात्र विकल्प है। लिहाजा पूरे घोटाले की सीबीआई से जांच कराई जाए। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डीबी ने दुर्ग भिलाई एसपी को निर्देशित किया है कि मामले से जुड़े सभी दस्तावेज, एफआईआर और काउंटर एफआईआर सहित पूरी जानकारी सीबीआई को सौंप दी जाए। कोर्ट ने इस मामले में सीबीआई को नई एफआईआर दर्ज करने के भी निर्देश दिए हैं। बता दें कि अनिमेष सिंह द्वारा की गई एफआईआर और हितेश चौबे द्वारा किए गए काउंटर प्रथम सूचना रिपोर्ट की संपूर्ण जानकारी सीबीआई को देने कहा गया है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में स्वाभिमान पार्टी का उल्लेख किया है।

सदन में प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी रोकने वाला विधेयक पारित, सीएम साय बोले- ईमानदार प्रतिभा को मिलेगा हक

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी और घोटालों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ (लोक भर्ती एवं व्यावसायिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों की रोकथाम) विधेयक-2026 सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के समर्थन से यह विधेयक पारित किया गया। नए कानून के तहत नकल माफिया, फर्जी अभ्यर्थियों और तकनीकी माध्यमों से धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ सख्त दंडात्मक प्रावधान किए गए है। दोषी पाए जाने पर 3 से 10 वर्ष तक की सजा और अधिकतम 1 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। वहीं नकल में संलिप्त अभ्यर्थियों को तीन वर्षों तक किसी भी भर्ती परीक्षा से वंचित (ब्लैकलिस्ट) किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विधेयक पर चर्चा के दौरान कहा कि युवा राज्य के विकास के केंद्र में होते हैं, लेकिन पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में उनके भविष्य के साथ अन्याय हुआ. उन्होंने आरोप लगाया कि पीएससी जैसी संस्थाओं में भ्रष्टाचार हुआ. प्रतियोगी परीक्षाओं में बड़े पैमाने पर घोटाले हुए। साय ने कहा कि उनकी सरकार ने ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते हुए जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंपी, जिसके चलते कई आरोपी जेल तक पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि यह कानून नकल गिरोहों पर निर्णायक कार्रवाई के लिए बनाया गया है। संगठित अपराध की स्थिति में आरोपियों की संपत्ति जब्त करने और कुर्की करने का भी प्रावधान किया गया है। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक गैजेट के जरिए नकल करने वालों पर विशेष रूप से सख्ती बरती जाएगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बताया कि कानून का दायरा व्यापक होगा और यह पीएससी, व्यापम, निगम-मंडल समेत सभी भर्ती और व्यावसायिक परीक्षाओं पर लागू होगा। जांच की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रावधान किया गया है कि ऐसे मामलों की जांच पुलिस उप निरीक्षक स्तर से नीचे का अधिकारी नहीं करेगा। आवश्यकता पड़ने पर सरकार अन्य एजेंसियों से भी जांच करा सकेगी। उन्होंने कहा कि कानून में प्रतियोगी परीक्षाओं के आयोजन से जुड़े सेवा प्रदाताओं की जवाबदेही भी तय की गई है। परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही या मिलीभगत पाए जाने पर संबंधित एजेंसी के खिलाफ कठोर कार्रवाई का प्रावधान रखा गया है। नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने विधेयक का समर्थन करते हुए कहा कि इससे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को सीधा लाभ मिलेगा और व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी। हालांकि, उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा पूर्व सरकार पर की गई टिप्पणियों पर आपत्ति जताई और कहा कि ऐसे मुद्दों पर अनावश्यक राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से बचना चाहिए तथा ध्यान केवल छात्रों के हित पर केंद्रित रहना चाहिए।

जमीन-मकान की रजिस्ट्री होगी अधिक सरल सुलभ और कम खर्चीली : ओ.पी. चौधरी

रायपुर। विधानसभा ने छत्तीसगढ़ उपकर (संशोधन) विधेयक, 2026 को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इस विधेयक के पारित होने से अचल संपत्ति की रजिस्ट्री पर बाजार मूल्य के आधार पर लगाया जाने वाला 0.60 प्रतिशत उपकर समाप्त हो गया है। वाणिज्यिक कर मंत्री ओ पी चौधरी ने बताया कि इस निर्णय से प्रदेश के आम नागरिकों, किसानों, मध्यमवर्गीय परिवारों तथा संपत्ति के क्रय-विक्रय से जुड़े लाखों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा।

छत्तीसगढ़ उपकर समाप्त होने से अब संपत्ति पंजीयन की लागत में कमी आएगी। उदाहरण के तौर पर एक करोड़ रुपये के बाजार मूल्य की संपत्ति पर नागरिकों को लगभग 60 हजार रुपये की सीधी बचत होगी, इससे जमीन-मकान की रजिस्ट्री अधिक सुलभ, सरल और कम खर्चीली बनेगी। इस अवसर पर विधानसभा में विधेयक प्रस्तुत करते हुए मंत्री चौधरी ने कहा कि यह विधेयक केवल एक विधिक संशोधन नहीं, बल्कि राज्य सरकार की जनहित, लोककल्याण और कर-व्यवस्था में न्यायपूर्ण सुधार के प्रति प्रतिबद्धता का सशक्त प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार का स्पष्ट मत है कि शासन का उद्देश्य केवल राजस्व अर्जित करना नहीं, बल्कि जनता के जीवन को सरल, सुलभ और सम्मानजनक बनाना है। वाणिज्यिक कर मंत्री चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार ने सितंबर 2025 में जीएसटी 2.0 के माध्यम से आम जनता के उपयोग की वस्तुओं एवं सेवाओं पर व्यापक कर रियायतें प्रदान कीं, जिससे आम नागरिकों की निर्वाह लागत में कमी आई। इसी क्रम में पंजीयन विभाग में भी अनेक ऐतिहासिक, व्यावहारिक और जनहितकारी सुधार किए गए हैं, जिनका उद्देश्य आम जनता पर आर्थिक बोझ कम करना और सेवाओं को सरल बनाना है। उन्होंने बताया कि स्वतः नामांतरण व्यवस्था आम जनता के लिए अत्यंत राहतकारी सिद्ध हुई है। पंजीयन के बाद तत्काल नामांतरण होने से पक्षकारों को आर्थिक बचत के साथ-साथ महीनों चलने वाली नामांतरण प्रक्रिया से मुक्ति मिली है। मई 2025 से अब तक लगभग डेढ़ लाख दस्तावेजों का स्वतः नामांतरण सफलतापूर्वक किया जा चुका है। पंजीयन प्रणाली को अधिक सुदृढ़ और पारदर्शी बनाने के लिए सुगम मोबाइल ऐप विकसित किया गया है, जो संपत्ति की सही भौगोलिक स्थिति सुनिश्चित करने में सहायक है। साथ ही, फर्जी व्यक्ति द्वारा पहचान छुपाकर पंजीयन न कराया जा सके, इसके लिए पंजीयन कार्यालयों में आधार आधारित सत्यापन की व्यवस्था भी लागू की गई है। नागरिकों की सुविधा के लिए विभाग द्वारा पंजीयन कार्यालयों को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के वीजा ऑफिस की तर्ज पर सर्वसुविधायुक्त बनाया जा रहा है।

इसके अंतर्गत नागरिकों को वातानुकूलित प्रतीक्षालय, स्वच्छ पेयजल, साफ-सुथरे शौचालय, निःशुल्क वाई-फाई तथा क्यू-आधारित त्वरित पंजीयन जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। वर्तमान में 10 पंजीयन कार्यालयों को पीपीपी मोड पर स्मार्ट पंजीयन कार्यालय के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसके बाद अन्य कार्यालयों को भी चरणबद्ध रूप से स्मार्ट कार्यालय बनाया जाएगा। चौधरी ने बताया कि सरकार ने पंजीयन शुल्क निर्धारण की व्यवस्था में सुधार किया है। पहले संपत्ति के पंजीयन में गाइडलाइन मूल्य एवं बाजार मूल्य से जो अधिक होता था, उसी पर शुल्क लिया जाता था।

अचल संपत्ति रजिस्ट्री पर उपकर समाप्त, आम नागरिकों को बड़ी राहत : सीएम विष्णुदेव

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ उपकर (संशोधन) विधेयक, 2026 के माध्यम से अचल संपत्ति की रजिस्ट्री पर लगाए गए 0.60 प्रतिशत उपकर को समाप्त करना हमारी सरकार का जनहित में लिया गया एक महत्वपूर्ण निर्णय है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का स्पष्ट उद्देश्य है कि आम नागरिक, किसान और मध्यमवर्गीय परिवारों पर किसी भी प्रकार का अनावश्यक आर्थिक बोझ न पड़े। राज्य में सुशासन, पारदर्शिता और जनकल्याण को केंद्र में रखते हुए हम लगातार कर व्यवस्था को सरल, न्यायसंगत और नागरिक-अनुकूल बना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय केवल कर में राहत नहीं, बल्कि उन लाखों परिवारों के सपनों को सम्मान देने की दिशा में एक सार्थक पहल है, जो अपनी मेहनत की कमाई से घर और जमीन खरीदते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि इस कदम से संपत्ति के पंजीयन में वृद्धि होगी, आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण को नई ऊर्जा प्राप्त होगी।

CMYK

20 लाख रूपये का कंडम रिक्शा सप्लायर को अब तक वापस नहीं

एमआईसी बैठक में हुआ था वापसी का निर्णय, आयुक्त के अड़ियल रवैये को लेकर बवाल, हुई शिकायत

धमतरी। शहरवासियों को मूलभूत सुविधाओं को दूर करने का जिम्मा उठाने वाले नगर निगम इन दिनों खुद विवाद के घेरे में नजर आ रहा है। यहां पदस्थ आयुक्त के अड़ियल रवैये से लगभग 20 लाख रूपये की लागत से डोर टू डोर कचरा उठाने के लिये की गई रिक्शा खरीदी जो निर्धारित मापदंड के अनुरूप नहीं होने पर उक्त कंडम रिक्शों की वापसी नहीं किये जाने को लेकर बवाल मचा हुआ है। एमआईसी की बैठक में उक्त कंडम रिक्शों को वापसी निर्णय लिये जाने के बाद भी अब तक उसकी वापसी संबंधित सप्लायर को नहीं की गई है जिसके पीछे कहा जाता है कि उक्त रिक्शा आयुक्त के चिर परिचित व्यक्ति के द्वारा निगम को कुछ माह पूर्व सप्लाई किया गया था जिसे पार्षदों के द्वारा चेक करने पर निविदा शर्तों के विपरीत रिक्शा की सप्लाई नहीं किया जाना पाया गया। तब एमआईसी की बैठक में उक्त रिक्शों को वापस किये जाने का निर्णय लिया गया है। खबर तो यह भी है कि आयुक्त के विरूद्ध कई गंभीर अनियमितताओं की शिकायत प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री सहित राजधानी के अधिकारियों को भेजे जाने की जानकारी प्राप्त हुई है। आयुक्त के ऊपर बिना किसी को प्रभार दिये निगम से अचानक नदारद हो जाने के मामले को लेकर भी इनके खिलाफ राजधानी स्तर पर जांच होने की खबर है। हालांकि अपने खिलाफ हुए शिकायतों को दबाने ये राजधानी के चक्कर लगा रही हैं। नगर निगम में पिछले लंबे समय से आयुक्त की कार्यशैली को लेकर निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का विरोध के बाद भी शासन द्वारा इन्हें यहां से नहीं हटाये जाने को लेकर भारी असंतोष देखा जा रहा है। इनका आरोप है कि आयुक्त अपनी मर्जी से सारे कार्य संपादित करते आ रही हैं। कांग्रेसी शहरी सरकार के समय से यहां पदस्थ आयुक्त के कामकाज से

न सिर्फ निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को बल्कि शहरवासियों को भी मूलभूत सुविधाओं के लिये इधर उधर भटकना पड़ रहा है। पिछले माह जब केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का शहर आगमन हुआ था, उसी शाम को ये बिना निगम के जिम्मेदार अधिकारी को पदभार दिये अचानक अवकाश पर चले गई। इस समय निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के निर्देश पर समूचे प्रदेश के साथ साथ धमतरी में भी एसआईआर का कार्य संपादित हो रहा था। पदभार किसी अन्य अधिकारी को नहीं सौंपे जाने से निगम का कामकाज ठप्प सा पड़ गया था। यहां तक शहर को पेयजल की आपूर्ति करने वाली वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट की मशीन जलने से दो दिनों तक शहरवासियों को पेयजल के लिये इधर से उधर भटकना पड़ा जिससे शहर के नागरिकों में भी आयुक्त के रवैये को देखते हुए इनके स्थानांतरण के साथ इनके खिलाफ उचित कार्यवाही की मांग बलवती हुई थी। आयुक्त के संबंध में बाद में पता चला कि उन्होंने अवकाश के लिये निर्वाचन पदाधिकारी छग शासन रायपुर को आवेदन देकर अपनी रवानगी ले ली। और तो और उन्होंने जितने दिनों का अवकाश लिया था, उससे पूर्व अचानक आकर पदभार भी ग्रहण कर लिया। पिछले वर्ष संपन्न हुए नगरीय निकाय चुनाव में धमतरी नगर निगम का चुनाव भी संपन्न हुआ जिसमें भाजपा से समर्थित अनेक पार्षदों को विजयश्री प्राप्त हुई और निगम में एक बार फिर भाजपा की शहरी सरकार कार्य करना शुरू की। विजय प्राप्त किये पार्षदों ने शहरवासियों को आश्वस्त किया था कि वे पूर्ववर्ती सरकार के समय हुए भ्रष्टाचार को उजागर करेंगे और जीरो टॉलरेंस, भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देंगे। लेकिन कांग्रेस की पूर्ववर्ती शहरी सरकार के समय से आई आयुक्त के रहते ऐसे निर्वाचित जनप्रतिनिधि किसी भी समस्या को लेकर उनसे विचार विमर्श करते हैं तो उनके बातों, सुझावों को अनसुनी कर अपनी मनमानी करते आ रही हैं। इनके कार्यकाल में अब यह आरोप भी लगना शुरू हो गया है कि जितने भी टेंडर विभिन्न कार्यों के लिये निकाले गये हैं, उनमें से अधिकांश कार्य, चाहे वह सप्लाई का हो अथवा ठेकेदारी का, वे अपने चिर परिचितों को देते आ रही हैं जिसकी जांच की मांग शहर के जागरूक नागरिकों द्वारा अब की जा रही है।

इनके कार्यकाल में 20 रिक्शा, 2 टिप्पर की खरीदी की गई थी जिसके लिये निविदा में कुछ शर्तें रखी गई थी। उसका पालन सप्लायर को करना था। लेकिन उसने निविदा शर्तों का घोर उल्लंघन करते हुए निर्धारित शर्तों का पालन नहीं किया जिससे पार्षदों ने लामबद्ध होकर इस विषय को उठाया। तब एमआईसी के समक्ष उक्त मुद्दा पहुंचा और एमआईसी ने यह निर्णय लिया कि यदि सप्लायर निविदा शर्तों के तहत उक्त रिक्शा सप्लाई करता है तो ठीक, नहीं तो उसके द्वारा सप्लाई किये गये रिक्शे को वापस कर दिया जायेगा। एमआईसी के इस निर्णय को भी उन्होंने नजरअंदाज कर दिया। चूंकि यह सप्लाई उनके परिचित के सप्लायर द्वारा की गई है। इनके खिलाफ एक और बात भी निकलकर सामने आ रही है कि प्रदेश में हो रहे नगरीय निकाय चुनाव के दौरान इनके द्वारा अपने मुंहलगे चहेतों, ठेकेदार, सप्लायरों को भारी भरकम राशि का जो भुगतान किया गया है, वह भी प्रमुख शिकायतों में शामिल है। इस पूरे मामले को लेकर निगम आयुक्त प्रिया गोयल से दूरभाष पर संपर्क कर उनका पक्ष लिये जाने का प्रयास किया गया परंतु उनसे संपर्क नहीं होने की वजह से उनका पक्ष नहीं लिया जा सका। 20 लाख रूपये की कंडम रिक्शा सप्लाई एवं एमआईसी बैठक में उक्त रिक्शे को वापस किये जाने के निर्णय के बाद भी रिक्शा वापस नहीं किये जाने को लेकर महापौर रामू रोहरा से जब इस संबंध में चर्चा की गई तो उनका कहना था कि यह सही है कि डोर टू डोर कचरा उठाने 20 लाख रूपये की लागत से जेम पोर्टल के माध्यम से रिक्शा खरीदी की गई थी। लेकिन सप्लायर द्वारा उक्त रिक्शा निर्धारित मापदंड के अनुरूप सप्लाई नहीं किया गया। रिक्शा आने के बाद चलने योग्य नहीं था जिसके बाद एमआईसी की बैठक में यह निर्णय पास हुआ कि उक्त रिक्शे को वापस किया जाये। लेकिन अभी तक उक्त रिक्शे को वापस नहीं किया गया है। मेरे द्वारा आयुक्त को स्पष्ट बताया गया है कि प्रदेश में विष्णुदेव की सुशासन की सरकार है, यहां भ्रष्टाचार या नियम विरूद्ध कोई कार्य नहीं होगा। मेरे बोलने के बाद भी निगम आयुक्त द्वारा रिक्शा वापस नहीं किया गया है जिसकी जानकारी मैंने प्रदेश के वरिष्ठों को दे दिया गया है।

भारतीय जनता पार्टी गंगरेल मंडल की अहम बैठक, सफल आयोजन का लिया संकल्प

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान की तैयारियों को लेकर जिम्मेदारियां तय

धमतरी। पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल प्रशिक्षण महाअभियान की तैयारी के संबंध में भारतीय जनता पार्टी गंगरेल मंडल जिला धमतरी के व्यवस्था प्रभारियों की महत्वपूर्ण बैठक मंडल अध्यक्ष मोनिका देवांगन के नेतृत्व में उनके निवास स्थान पर आयोजित की गई जिसमें गंगरेल मंडल बैठक प्रभारी प्रदेश उपाध्यक्ष शुभम जायसवाल सहित मंडल प्रभारी एवं व्यवस्था प्रभारियो की विशेष उपस्थिति रही। बैठक में प्रशिक्षण वर्ग को सफल एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने हेतु विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इसमें आवास, भोजन, पंजीयन, मंच व्यवस्था, स्वागत, अतिथि, स्वच्छता, पेयजल, चिकित्सा सुविधा सहित अन्य आवश्यक तैयारियों को लेकर जिम्मेदारियां निर्धारित की गई। प्रभारी द्वारा सभी व्यवस्था प्रभारियों को अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ करने के निर्देश दिए गए, ताकि प्रशिक्षण वर्ग अनुशासित एवं प्रभावी ढंग से संपन्न हो सके। इस अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर मंडल प्रभारी श्यामा नरेश साहू, सह प्रभारी उमेश साहू, पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रकाश गोलछा, ऋषभ देवांगन, मंडल महामंत्री चंद्रहास जैन, हेमंत साहू, मंडल के सभी व्यवस्था प्रभारी, अनीता यादव, मुकेश यादव, बुद्धेश्वर कंवर, उमेंद्र सिन्हा, हुमन यादव, रमेश निषाद, बालकृष्ण निषाद, उमेश मसीह, पिंकू जागेंद्र साहू, कैलाश देवांगन, अनीश देवांगन, धीरेंद्र सिंह निप्पी, टिकेश्वरी साहू, पवित्रा दीवान, कीर्तन साहू, धर्मराज सिन्हा, दीपक साहू, अजय गार्ड़िया, दुष्यंत सिन्हा, गिरधारी लाल देवांगन, राहुल मानिकपुरी, तोमेश साहू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर रूद्री में नूतन वर्ष मनाया

धमतरी। श्री रूद्रेश्वर बाल कल्याण समिति द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रूद्री में चैत्र शुल्क प्रतिपदा तिथि 19 मार्च दिन गुरूवार को हिन्दू नववर्ष विक्रम संवत् 2083 के आगमन पर विद्यालय परिवार द्वारा रूद्रेश्वर मंदिर के प्रांगण पर पूर्व रात्रि सुन्दरकाण्ड का अखण्ड पाठ, भजन संध्या कर आयोजन किया गया तथा सुबह 5 बजे यज्ञ हवन के साथ उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया गया। इस कार्यकम के मुख्य अतिथि अनिता मुकेश यादव जनपद सदस्य रूद्री, विशिष्ट अतिथिगण यादराम साहू अध्यक्ष संचालन समिति, श्यामादेवी साहू उपाध्यक्ष, अजय ठाकुर सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहे तथा इस कार्यकम की अध्यक्षता अनुसुईया

सिन्हा सचिव संचालन समिति, साथ ही सभी आचार्य परिवार भैया/बहिन और अभिभावक वृंद उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने अपने उदबोधन में हिन्दू नववर्ष की बधाई दी और कहा हर भारतीय को अपनी संस्कृति और पर्व को उत्सव के रूप में मनाना चाहिए। अध्यक्ष ने आभार और कार्यक्रम समापन की घोषणा की। इस कार्यक्रम की जानकारी प्रभारी प्राचार्य संतोष कुमार साहू एवं आचार्य प्रेमलाल निषाद ने दी।

महापौर रामू रोहरा ने दी हिंदू नववर्ष चैत्र नवरात्र व चैत्रीचंद्र की शुभकामनाएं

धमतरी। महापौर रामू रोहरा ने हिंदू नववर्ष चैत्र नवरात्र एवं चैत्रीचंद्र पर्व के पावन अवसर पर समस्त क्षेत्रवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह समय भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपराओं, आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत रहने का होता है, जब पूरा समाज नए उत्साह और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लेता है। महापौर ने अपने संदेश में कहा कि हिंदू नववर्ष का प्रारंभ केवल कैलेंडर परिवर्तन नहीं, बल्कि जीवन में नए विचार, नए लक्ष्य और नई ऊर्जा का संचार करने का अवसर है। यह हमें बीते समय से सीख लेकर बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा देता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे इस नववर्ष को सेवाए सदभाव और विकास के संकल्प के साथ मनाएं। चैत्र नवरात्र के महत्व पर प्रकाश डालते हुए महापौर ने कहा कि यह नौ दिनों का पर्व शक्ति की उपासना, आत्मसंयम और साधना का प्रतीक है। मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की आराधना के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर की नकारात्मकता को समाप्त कर सकारात्मकता को अपनाता है। यह पर्व हमें अनुशासन, श्रद्धा और आत्मबल को मजबूत करने की सीख देता है।

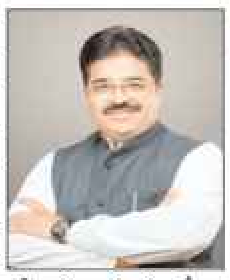

चैत्रीचंद्र पर्व के संबंध में उन्होंने कहा कि यह सिंधी समाज की आस्था का प्रमुख उत्सव है, जो भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व सामाजिक एकता, परोपकार और भाईचारे का संदेश देता है। धमतरी में भी हर वर्ष इस पर्व को बड़े हर्षोल्लास और भक्ति भावना के साथ मनाया जाता है, जो शहर की सांस्कृतिक विविधता और एकता को दर्शाता है। महापौर रामू रोहरा ने कहा कि धमतरी हमेशा से विभिन्न धर्मों, समाजों और संस्कृतियों का संगम रहा है, जहां सभी लोग मिल-जुलकर हर त्योहार को उत्साहपूर्वक मनाते हैं। यही एकता और भाईचारा शहर की सबसे बड़ी ताकत है जिसे बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि सभी लोग पर्वों के दौरान स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक मर्यादाओं का विशेष ध्यान रखें। साथ ही जरूरतमंदों की सहायता कर इन त्योहारों की खुशी को और भी सार्थक बनाएं। अंत में महापौर ने मां दुर्गा से शहर की सुख.समृद्धि, शांति और निरंतर विकास की कामना करते हुए सभी नागरिकों के जीवन में खुशहाली, स्वास्थ्य और समृद्धि की प्रार्थना की।

बकरी पालन कार्य से जुड़ी 30 उत्कृष्ट महिला सदस्यों को दिया गया

महासमुंद। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान योजना के अंतर्गत जिला महासमुंद में समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने तथा उन्हें प्रबंधन एवं उद्यमिता के क्षेत्र में स्थापित करने के उद्देश्य से विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। परंपरागत रूप से बकरी पालन कार्य से जुड़ी 30 उत्कृष्ट महिला सदस्यों का चयन कर उन्हें उन्नत तकनीकी, प्रबंधन एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण हेतु दुर्ग जिले के अंजोरा स्थित दाऊ वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय भेजा गया है। प्रशिक्षण 17 से 19 मार्च तक आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण के दौरान महासमुंद की महिला हितग्राहियों को बकरी पालन की आधुनिक तकनीकों, व्यावसायिक प्रबंधन एवं उद्यमिता कौशल से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गई। साथ ही महिलाओं ने अनुभवी वैज्ञानिकों एवं प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में क्षेत्र भ्रमण कर वास्तविक गतिविधियों का प्रत्यक्ष अवलोकन भी किया। इस प्रशिक्षण से महिलाएं अपने कार्य में अधिक दक्ष बनेंगी, साथ ही सफल उद्यमी के रूप में स्थापित करते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सुदृढ़ करेंगी।

शालाओं में बच्चों की शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाने समीक्षा बैठक आयोजित

महासमुंद। शालाओं में बच्चों की शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत हेमंत नंदनवार की अध्यक्षता में समग्र शिक्षा की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित हुई। जिसमें जिले के सभी विकासखंडों के बीआरसीसी, बीआरपी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सीईओ नंदनवार ने प्रत्येक ब्लॉक में संकुल स्तर पर उत्कृष्ट शिक्षकों की टीम गठित करने के निर्देश दिए, ताकि छात्रों के अधिगम स्तर में प्रभावी सुधार किया जा सके। उन्होंने मेंटर शिक्षकों के चयन, छात्रों का अधिगम आधारित वर्गीकरण तथा संकुल समन्वयकों के दायित्व निर्धारण जैसी तैयारियां अप्रैल माह तक पूर्ण करने को कहा, जिससे लक्ष्य महासमुंद विशेष अभियान स्कूल खुलते ही प्रारंभ किया जा सके। उन्होंने सभी बीआरसीसी को गुणवत्तापूर्ण मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने, अपार आईडी एवं यु-डाइस डाटा का शत-प्रतिशत संधारण पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। जिला शिक्षा अधिकारी विजय लहरे ने कक्षा 5वीं एवं 8वीं की केंद्रीकृत परीक्षा के उपरांत उत्तर पुस्तिकाओं का गोपनीयता के साथ समय-सीमा में मूल्यांकन कार्य पूर्ण करने पर जोर दिया। जिला मिशन समन्वयक रेखराज शर्मा ने इस वर्ष नवोदय चयन परीक्षा में सफल विद्यार्थियों, शिक्षकों, शाला प्रबंधन समितियों एवं पालकों को बधाई देते हुए आने वाले वर्षों में शासकीय विद्यालयों से अधिकतम चयन सुनिश्चित करने हेतु विशेष कार्ययोजना पर बल दिया। उन्होंने स्मार्ट क्लास के नियमित उपयोग की मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिए, ताकि विद्यार्थियों को तकनीक आधारित रोचक शिक्षा का लाभ मिल सके। इसके साथ ही विशेष आवश्यकता वाले दिव्यांग बच्चों के सटीक चिन्हांकन एवं उन्हें आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। आगामी शिक्षण सत्र से कक्षा 1 से 8 तक सभी विषयों में गतिविधि आधारित अध्यापन को अनिवार्य करते हुए शिक्षक दैनंदिनी में उसका संधारण सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में समग्र शिक्षा के एपीसी विद्या साहू, संपा बोस, सुबोध कुमार तिवारी सहित सरायपाली, बसना, पिथौरा, बागबाहरा एवं महासमुंद के बीआरसीसी, अकाउंटेंट, ऑपरेटर एवं स्पेशल एजुकेटर्स उपस्थित रहे।

वनांचल से निकले नवोदय टापर्स का अधिकारियों ने बढ़ाया हौसला, किया पुरस्कृत

भंवरपुर। जिले के दूरस्थ अंचल में स्थित शासकीय प्राथमिक शाला करनापाली के दो होनहार बच्चों ने फिर अपनी प्रतिभा का परचम लहराते हुए जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 2026 में शानदार सफलता हासिल की है। कक्षा पांचवी के छात्र प्रियांश साहू ने 100% अंकों के साथ महासमुंद जिले में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया तथा कक्षा पांचवी की छात्रा जयंती नेताम ने 98.25% अंकों के साथ जिले में 12वां स्थान प्राप्त किया। सीमित संसाधनों के बावजूद इन बच्चों ने अपनी मेहनत लगन एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन से यह मुकाम हासिल कर हमारे जिले महासमुंद का नाम रोशन किया है। प्राप्त जानकारी अनुसार बच्चों की इस कामयाबी से प्रसन्न होकर महासमुंद कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने बच्चों का सम्मान किया एवं बच्चों

को जीवन में एक लक्ष्य लेकर आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया। जिला पंचायत महासमुंद सीईओ हेमंत रमेश नंदनवार ने बच्चों को बधाई दी एवं भविष्य के लक्ष्य पर बातचीत की। जब प्रियांश साहू ने बताया कि वह वैज्ञानिक बनकर भारत माता की सेवा करना चाहता है तब जिला पंचायत सीईओ हेमंत रमेश नंदनवार ने डॉक्टर अब्दुल कलाम के जीवनी को बताते हुए उनके पुस्तक दी विंग्स ऑफ फायर को पढ़कर अपने जीवन में उतारते हुए आगे बढ़ने हेतु बच्चों को प्रेरित किया जयंती नेताओं ने भी एक डॉक्टर बनकर समाज सेवा का कार्य करने का उन्हें वचन दिया। बताया गया है कि विद्यालय के दोनों कब बुलबुल के छात्र-छात्रा हैं उनके मार्गदर्शक वीरेंद कर एवं समस्त विद्यालय परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे ने वनांचल में स्थित इस विद्यालय के शिक्षक ग्रामीण एवं छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि महासमुंद जिले के नाम को इन बच्चों ने अपने कर्मों से गर्वान्वित किया है। उन्होंने बच्चों को स्कूल बैग देकर सम्मानित किया। वहीं जिले के डीएमसी रेखराज शर्मा ने भी कंपास बॉक्स देकर बच्चों को सम्मानित किया एवं आशीर्वाद प्रदान किया । जिले के अन्य शिक्षा अधिकारी विद्या साहू, सम्पा बोस, एपीसी नंदकुमार सिंन्हा, सहायक संचालक प्रमोद कुमार कन्नौजे, सहायक जिला परियोजना अधिकारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी बद्री विशाल जोल्हे, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी लोकेश्वर कंवर, बीआरसी बसना अनिल सिंह साव, कमल लूनिया पूर्व डीओसी स्काउट, पूर्व जिला सचिव रामकुमार साहू, पूर्व विकासखंड समन्वय पूर्णानंद मिश्रा ने बच्चों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे समूचे जिले के लिए प्रेरक और सामूहिक प्रयास का परिणाम बताया। बच्चों के पालक पूनम सिंह साहू ने कहा की मेरे बच्चे प्रियांश साहू ने 100% अंक प्राप्त कर नवोदय जैसे महत्वपूर्ण परीक्षा में महासमुंद जिले में शिर्ष स्थान प्राप्त किया है, इस उपलब्धि में विद्यालय के शिक्षक वीरेंद कर प्रधान पाठक गिरधारी साहू एवं शिक्षिका निर्मला नायक का अथक परिश्रम एवं प्रेरणा रहा है। पालक गंगाधर नेताम ने भी अपनी पुत्री जयंती नेताम के उपलब्धि पर शिक्षक वीरेंद्र कर एवं समस्त स्टाफ को इसका श्रेय प्रदान किया। बच्चों की इस उपलब्धि पर समस्त शिक्षा समिति एवं ग्रामीण जन अत्यंत उत्साहित हैं तथा भविष्य में भी शिक्षकों से इस प्रकार बच्चों को निरंतर आगे बढ़ाने हेतु हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया है।

कलेक्टर बी.एस. उइके ने स्वास्थ्य, महिला-बाल विकास विभाग, यूनिसेफ एवं सीजीएमएससी की ली संयुक्त बैठक

बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, कुपोषण उन्मूलन, मातृ-शिशु सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर

गरियाबंद। कलेक्टर बी.एस. उइके की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग, यूनिसेफ एवं सीजीएमएससी की संयुक्त बैठक लेकर विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. यू.एस. नवरत्न, सिविल सर्जन यशवंत कुमार ध्रुव, जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक पाण्डेय सहित सभी बीएमओ, सीडीपीओ, बीपीएम, पर्यवेक्षक, नोडल अधिकारी एवं दोनों विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर उइके ने कहा कि लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों को समन्वय के साथ कार्य करने को कहा। कलेक्टर उइके ने जिले में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं एवं विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा करते हुए स्वास्थ्य सुविधाओं, अधोसंरचना को मजबूत करने, संस्थागत प्रसव बढ़ाने, एएनसी पंजीयन, एनआरसी में गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों को भर्ती करने, बच्चों

के स्वास्थ्य परीक्षण करने तथा चिन्हांकित बच्चों के उपचार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी स्वास्थ्य अधिकारी फील्ड में सक्रिय रहकर स्वास्थ्य सुविधाओं की वास्तविक स्थिति का नियमित आकलन करें। उन्होंने अस्पतालों में आवश्यक दवाइयों का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करने, गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने और किसी भी लाभार्थी को उपचार से वंचित न रहने देने के निर्देश दिए। महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान बच्चों में कुपोषण की स्थिति, एनीमिया स्तर, पोषण पुनर्वास केन्द्र (एनआरसी), वजन त्यौहार, पूरक पोषण आहार, पोषण ट्रैकर अपडेट, गर्भवती महिलाओं का एएनसी पंजीयन, टीकाकरण तथा ग्राम पंचायतवार कुपोषण के आंकड़ों पर विस्तृत चर्चा की गई। कलेक्टर ने गंभीर एवं मध्यम कुपोषित बच्चों को समय पर एनआरसी में भर्ती करने तथा फॉलो-अप कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि नियमित उपस्थिति और पोषण सेवाओं की निरंतरता से बच्चों में कुपोषण की दर में प्रभावी कमी आएगी। उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्रों में रनिंग वाटर, बिजली, साफ-सफाई और एलपीजी गैस कनेक्शन उपलब्धता की भी समीक्षा की और अधूरे कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की प्रथम एवं द्वितीय किस्त, महतारी वंदन योजना, सुकन्या समृद्धि, नोनी सुरक्षा, मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, बाल विवाह रोकथाम, पॉक्सो प्रकरण, महिला कोष, स्पॉन्सरशिप योजना, चाइल्ड हेल्पलाइन, सखी वन स्टॉप सेंटर और नवा बिहान की गतिविधियों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने महिला सुरक्षा और बाल संरक्षण योजनाओं को संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि लोगों को स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने में हर कर्मचारी अपना शत-प्रतिशत योगदान दें। किसी भी लाभार्थी को सेवाओं से वंचित नहीं रहने दिया जाए। इस दौरान कलेक्टर उइके ने अधिकारी-कर्मचारियों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई।

संक्षिप्त समाचार

नशे में धुत रेलवे पुलिस जवान का वीडियो वायरल

रायपुर। राजधानी रायपुर से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है, जहां छत्तीसगढ़ रेलवे पुलिस (जीआरपी) का एक जवान कथित तौर पर नशे की हालत में नजर आया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद लोगों में नाराजगी बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि यह मामला रायपुर रेलवे स्टेशन के बाहर का है। वायरल वीडियो में पुलिसकर्मी की हालत सामान्य नहीं दिख रही है और वह ठीक से खड़ा भी नहीं हो पा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नशे में होने के दौरान उसने यात्रियों से बहस शुरू कर दी, जिससे मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बन गई। मौके पर मौजूद लोगों ने इस पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो अब तेजी से सोशल मीडिया पर फैल रहा है। जानकारी के मुताबिक, संबंधित जवान जीआरपी एसपी कार्यालय में पदस्थ बताया जा रहा है। घटना सामने आने के बाद रेलवे पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि, अभी तक विभाग की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन वायरल वीडियो के बाद संबंधित जवान के खिलाफ कार्रवाई की मांग तेज हो गई है।

हर घर में लोग एलपीजी सिलेंडर के लिए दर दर भटक रहे हैं

रायपुर। देशभर में एलपीजी के दाम बढ़ने एवं किल्लत को लेकर कांग्रेस ने सरकार को घेरना शुरू कर दिया है. जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष तारिणी चंद्राकर ने इसे सरकार की जनता के प्रति असंवेदनशीलता बताया है. आगे कहा की देश भर में कई परिवार एलपीजी सिलेंडर प्राप्त करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और उन्हें खाना पकाने के पारंपरिक तरीकों की ओर लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा है। यह संकट केंद्र सरकार की गलत नीतियों का नतीजा है। उन्होंने कहा, हर घर की रसोई से सिलेंडर गायब हो गया है। देश के प्रधानमंत्री की गलत नीतियों के कारण, किसी न किसी तरह हमें इस गैस संकट का सामना करना पड़ रहा है। आज देश में लोग गैस सिलेंडर के लिए कतारों में खड़े हैं, और कुछ लोगो की तो वहां बेहोश होने की खबरें भी आ रहीं हैं। इस स्थिति से सार्वजनिक कैंटीन समेत कई प्रतिष्ठान प्रभावित हुए है, श्रीमति चंद्राकर ने कहा की जिस तरह नोटबंदी के दौरान और कोविड-19 के दौरान ऑक्सीजन की कमी के समय लोगों को कतारों में खड़ा होना पड़ा था, उसी तरह आज पूरा देश गैस सिलेंडर के लिए कतार में खड़ा है।

घर में घूसकर तोड़फोड़ व मारपीट करने वाले 6 गिरफ्तार किए

रायपुर। जिले के सत्तीगुड़ी चौक के आगे मस्तागली में एक घर में घुसकर मारपीट एवं तोड़फोड़ करने के मामले में कोतवाली पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया और गैरजमानतीय धाराओं में रिमांड पर भेजा है। बता दें कि 15 मार्च को प्रार्थी सुखदेव मंडल पिता स्व. अशोक मंडल उम्र 39 वर्ष निवासी मस्तागली सत्तीगुड़ी चौक रायगढ़ द्वारा थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि 14 मार्च की रात करीब 11:35 बजे जब वह घर में सो रहे थे, उसी दौरान 3 अज्ञात युवक जबरन दरवाजा खोलकर घर के अंदर घुस आए और स्टाफ से गुलदस्ता मांगने लगे। मना करने पर आरोपियों ने गाली-गलौच शुरू कर दी। शोर सुनकर प्रार्थी नीचे आए और समझाने का प्रयास किया।

जशपुर को विकास की नई सौगात

मुख्यमंत्री ने 19.51 करोड़ के 6 विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

■ ऑडिटोरियम, मुक्तिधाम और सड़कों के निर्माण से शहरी-ग्रामीण ढांचे को मिलेगी मजबूती

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज जशपुरनगर में पुलिस लाइन हेलीपैड के समीप कुल 19 करोड़ 51 लाख 78 हजार रुपए की लागत से 6 महत्वपूर्ण विकास कार्यों का भूमिपूजन कर क्षेत्र को विकास की नई सौगात दी। इस अवसर पर उन्होंने शहरी एवं ग्रामीण बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। मुख्यमंत्री श्री साय ने नगर पालिका जशपुर के वार्ड क्रमांक 18 भागलपुर में 35.46 लाख रुपए की लागत से मुक्तिधाम निर्माण कार्य तथा वार्ड क्रमांक 16 में 6.76 करोड़ रुपए की लागत से आधुनिक ऑडिटोरियम निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इन परियोजनाओं से शहरवासियों को बेहतर सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सार्वजनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने जशपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन को सुगम एवं सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से चार प्रमुख सड़कों के निर्माण कार्यों का भी भूमिपूजन किया। इनमें 2.89 करोड़ रुपए लागत से चटकपुर-रेंगारबहार मार्ग, 3.01 करोड़ रुपए लागत से कुनकुरी-औंरीजोर-मतलूटोली-पटेल पारा मार्ग, 3.29 करोड़ रुपए लागत से रानीबंध-चिड़ाटांगर-उपरकछार मार्ग तथा 3.18 करोड़ रुपए लागत से धुरीअम्बा-कटुखोसा मार्ग का निर्माण शामिल है। इन सड़कों के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बेहतर होगी और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के समग्र और संतुलित विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में आधुनिक सुविधाओं का विस्तार और ग्रामीण अंचलों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त

किया कि इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को नई दिशा और गति मिलेगी। इस अवसर पर विधायक श्रीमती गोमती साय, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविंद भगत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री यश प्रताप सिंह जूदेव सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

बस्तर हेरिटेज मैराथन 2026' का आयोजन 22 मार्च को जगदलपुर में

छत्तीसगढ़ में खेलों को बढ़ावा देने और बस्तर की सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय मंच पर लाने के उद्देश्य से बस्तर हेरिटेज मैराथन 2026 का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में यह आयोजन राज्य के लिए एक ऐतिहासिक पहल माना जा रहा है। 22 मार्च को आयोजित होने वाली यह मैराथन जगदलपुर के लालबाग मैदान से प्रारंभ होकर चित्रकोट जलप्रपात तक पहुंचेगी। यह रूट प्रतिभागियों को बस्तर के प्राकृतिक और ऐतिहासिक सौंदर्य से रूबरू कराएगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह आयोजन 'रन फॉर नेचर-रन फॉर कल्चर' की थीम के साथ राज्य की पहचान को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा और युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करेगा। मैराथन में 42 किलोमीटर, 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर जैसी अलग-अलग श्रेणियां रखी गई हैं, जिसमें देशभर से धावकों के शामिल होने की उम्मीद है। विजेता प्रतिभागियों के लिए कुल 25 लाख रूपए तक का आकर्षक पुरस्कार रखा गया है। साथ ही प्रतिभागियों को फिनिशर मेडल, ई-सर्टिफिकेट और रनिंग फोटोज़ दिए जाएंगे। कार्यक्रम में जुम्बा सेशन और लाइव डीजे जैसी गतिविधियां भी होंगी।

पानी, सफाई और सड़क के लिए 195 करोड़ की मंजूरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के शहरों में बुनियादी सुविधाओं को नई रफ्तार मिलने जा रही है। केंद्र सरकार ने 15वें वित्त आयोग के तहत करीब 195 करोड़ रुपए जारी किए हैं, जिससे पेयजल, स्वच्छता और आधारभूत ढांचे के विकास कार्यों को तेज़ी मिलेगी और शहरी जीवन स्तर में सुधार देखने को मिलेगा। केन्द्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा जारी 194 करोड़ 93 लाख रुपए की यह राशि राज्य के 139 नगरीय निकायों में खर्च की जाएगी। इसमें 116 करोड़ 96 लाख रुपए टाइड ग्रांट के रूप में दिए गए हैं, जिनका उपयोग मुख्य रूप से पेयजल आपूर्ति और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के कार्यों में होगा। इससे शहरों में साफ-सफाई व्यवस्था मजबूत होगी और नागरिकों को स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता बेहतर हो सकेगी। वहीं 77 करोड़ 97 लाख रुपए अनटाइड ग्रांट के रूप में दिए गए हैं, जिनका उपयोग सड़क, नाली और अन्य आधारभूत संरचनाओं के विकास में किया जाएगा। इससे शहरों में बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता सुधरेगी और नागरिकों को रोजमर्रा की सुविधाओं में राहत मिलेगी। उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने इस पहल को शहरों के समग्र विकास की दिशा में अहम कदम बताया। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर शहरी क्षेत्रों को सुव्यवस्थित, स्वच्छ और सुविधाजनक बनाने के लिए लगातार संसाधन उपलब्ध करा रही हैं, जिससे विकास कार्यों में गति आई है। यह वित्तीय मदद सिर्फ बजट नहीं, बल्कि शहरों के भविष्य को आकार देने की दिशा में एक मजबूत पहल है। अब नजर इस बात पर रहेगी कि इन संसाधनों का उपयोग कितनी पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ जमीन पर दिखाई देता है।

गौधाम योजना श्वेत क्रांति और गौसेवा के नए युग का सूत्रपात-प्रमोद शर्मा....

रायपुर। संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक प्रमोद शर्मा ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा राज्य में 'गौ-धाम योजना' के शुभारंभ और इस अवसर पर की गई महत्वपूर्ण घोषणाओं का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया है। शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने सनातन संस्कृति के मूल आधार 'गौ-माता' की सेवा और संरक्षण को प्राथमिकता देकर राज्य में एक नई चेतना जागृत की है।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री साय द्वारा बिलासपुर में आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम में की गई घोषणाएं केवल योजना मात्र नहीं हैं, बल्कि यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने और लावारिस गौ-वंश को सम्मानजनक आश्रय दिलाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। 'गौ-धाम योजना' के माध्यम से बेसहारा और सड़कों पर घूम रहे गौ-वंश को उचित आश्रय, आहार और चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित की जाएगी। शर्मा ने कहा कि? ग्रामीण स्वावलंबन के दृष्टिगत यह योजना दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ-साथ जैविक खेती और ग्रामीण रोजगार के नए अवसर सृजित करेगी। गौ-धामों को केवल गौशाला के रूप में नहीं, बल्कि आधुनिक केंद्रों के रूप में विकसित करने की मुख्यमंत्री साय की दूरदर्शिता सराहनीय है। शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की 'गौ-सेवा' की गौरवशाली परंपरा को प्रदेश सरकार ने सरकारी नीतियों के केंद्र में लाकर प्रदेश के किसानों और पशुपालकों का मान बढ़ाया है।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता शर्मा ने कहा कि पिछली सरकार के समय गौ-माता के नाम पर केवल भ्रष्टाचार हुआ था, लेकिन साय सरकार ने सत्ता संभालते ही वास्तविक धरातल पर गौ-सेवा का संकल्प पूरा किया है। गौ-धाम योजना से न केवल दुर्घटनाओं में कमी आएगी, बल्कि यह योजना छत्तीसगढ़ को आत्मनिर्भर बनाने में 'रीढ़ की हड्डी' साबित होगी। श्री शर्मा ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए विश्वास व्यक्त किया।

बिहान योजना से बेलबहरा की रहने फुलकुंवर बनीं आत्मनिर्भर उद्यमी......

■ फुल कुवर की सफलता के पीछे उनकी निरंतर मेहनत, स्व-सहायता समूह की बैठकों में नियमित भागीदारी

■ सालाना कर रही एक से डेढ़ लाख की कमाई

रायपुर/ संवाददाता

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के खड़गवां ब्लॉक के ग्राम बेलबहरा की रहने वाली फुलकुंवर की कहानी आज ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है। एक समय था जब फुलकुंवर एक साधारण गृहिणी के रूप में अपने परिवार की जिम्मेदारियां निभा रही थीं और उनके पति राम विशाल खेती-किसानी के जरिए परिवार का भरण-पोषण करते थे। परिवार की मासिक आमदनी लगभग 40 से 50 हजार रुपए के बीच थी, लेकिन बढ़ती जरूरतों के बीच यह आय पर्याप्त नहीं थी और परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। जीवन में बदलाव की शुरुआत उस दिन हुई जब फुलकुंवर ने जय माँ दुर्गा स्व सहायता समूह की बैठक में भाग लिया। इस दौरान क्लस्टर अटल महिला संकुल संगठन देवाड़ाड के अंतर्गत आयोजित बैठक में सीआरपी पूनम साहू द्वारा बिहान योजना की जानकारी दी गई। इस योजना ने फुल कुवर के जीवन को नई दिशा दी। उन्होंने समूह से जुड़कर बैंक लिंकेज के माध्यम से ऋण प्राप्त किया और उस राशि का उपयोग सेंट्रिंग प्लेट खरीदने में किया। इसके बाद उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बन रहे पक्के मकानों में सेंट्रिंग प्लेट किराये पर देना शुरू किया। उनका यह निर्णय उनके जीवन का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। धीरे-धीरे उनकी आय में जबरदस्त वृद्धि होने लगी और आज फुलकुंवर सालाना 1 लाख से 1.5 लाख रुपए तक की आमदनी अर्जित कर रही हैं। इस आय से न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि वे आत्मनिर्भर बनकर अन्य महिलाओं के लिए भी मिसाल बन गई हैं। फुल कुवर की सफलता के पीछे उनकी निरंतर मेहनत, स्व-सहायता समूह की बैठकों में नियमित भागीदारी और बिहान कार्यालय से समय-समय पर मार्गदर्शन लेना प्रमुख कारक रहे हैं। उन्होंने यह साबित कर दिया कि यदि सही दिशा और अवसर मिले तो कोई भी महिला अपने जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है।

सुरक्षा मानकों की अवहेलना के दोषियों पर कठोर कार्यवाही हो..

■ रामकृष्ण केयर अस्पताल में सफाई कर्मियों की मौत की उच्च स्तरीय जांच हो

रायपुर। संवाददाता

रामकृष्ण केयर अस्पताल में गटर सफाई के लिए उतरे मजदूरों की मौत की उच्च स्तरीय जांच की मांग करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की सफाई के लिए निर्धारित मानकों के पालन न करने और आवश्यक सुरक्षा उपकरण के बिना सफाई कर्मियों को गटर में उतारने के जिम्मेदार कौन है, इसकी तत्परता से पारदर्शिता पूर्वक जांच होनी चाहिए। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि इस मामले में जो भी दोषी हैं और जिन्होंने मामले को छुपाने, लीपापोती करने का प्रयास किया है, उन पर भी कठोर कार्रवाई होना चाहिए। ये सफाई कर्मचारी किसी ठेका कंपनी के थे या सीधे अस्पताल प्रबंधन के थे इसकी भी जांच होनी चाहिए। प्रशिक्षण और सुरक्षा उपकरण की अनुपलब्धता की भी जांच होनी चाहिए, सरकार सुनिश्चित करें कि इस तरह की अमानवीय दुर्भाग्यपूर्ण घटना की पुनरावृत्ति न हो।प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में तीन-तीन सफाई कर्मियों की मौत हुई, एक सफाई कर्मी जिंदगी और मौत से अभी भी जूझ रहा है, उसके बेहतर ईलाज का समुचित प्रबंध किया जाये। पूरे मामले में एक बड़ा सवाल यह भी है कि घटना के बाद मृतक सफाई कर्मियों के शव को घटनास्थल से किसने हटाया?

प्रदेश में मौसम का मिजाज बदला.......

■ कई स्थानों पर हुई हल्की वर्षा एवं ओलावृष्टि

रायपुर। एक पश्चिमी विक्षोभ मध्य और ऊपरी क्षोभमंडल में 5.8 किलोमीटर पर अक्ष के साथ 80 डिग्री पूर्व और 22 डिग्री उत्तर में स्थित है। एक ऊपरि हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पूर्वी उत्तर प्रदेश और उसके आसपास 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। प्रदेश में एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। प्रदेश में एक दो स्थानों पर गरज चमक के साथ तेज अंधड़ चलने, वज्रपात होने और ओलावृष्टि होने की संभावना है। प्रदेश में अधिकतम तापमान में अगले 4 दिनों में चार डिग्री के आसपास गिरावट संभावित है। ओला वृष्टि मुख्यतः सरगुजा संभाग और उससे लगे बिलासपुर संभाग के जिले संभावित हैं। प्रदेश के गरियाबंद तथा अन्य स्थानों पर भी वर्षा होने के साथ ही ओलावृष्टि हुई है, जिसके कारण मौसम बदल गया है। इधर लोगों के स्वास्थ्य पर भी विपरीत असर पड़ा है। चिकित्सों के पास लोगों के ईलाज के लिए भीड़ बढ़ती जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार विदर्भ छत्तीसगढ़ तथा मध्यप्रदेश में मौसम का मिजाज बदलने लगा है, जिसके कारण लोगों को भीषण गर्मी राहत तो मिली है, लेकिन उमसभरी गर्मी से लोग बेचैन हैं।

एक प्रतिनिधि मंडल ने उज्बेकिस्तान के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं तलाशी

उज्बेकिस्तान के विद्यार्थी कृषि शिक्षा के लिए छत्तीसगढ़ आएंगे

■ इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय और उज्बेकिस्तान के पांच विश्वविद्यालयों के मध्य उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान में सहयोग हेतु हुए समझौते

रायपुर/ संवाददाता

उज्बेकिस्तान के विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी आगामी शैक्षणिक वर्ष से कृषि के क्षेत्र में उच्च शिक्षा तथा अनुसंधान हेतु छत्तीसगढ़ आएंगे और छत्तीसगढ़ के विद्यार्थी अध्ययन एवं अनुसंधान हेतु उज्बेकिस्तान जाएंगे। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर तथा उज्बेकिस्तान के पांच विश्वविद्यालयों के मध्य कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में आपसी सहयोग हेतु समझौते किये गए हैं। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल के नेतृत्व वाले प्रतिनिधि मंडल के विगत दिनों उज्बेकिस्तान प्रवास के दौरान ताशकंद स्टेट एग्रेरियन यूनिवर्सिटी, बुखारा स्टेट यूनिवर्सिटी, समरकंद स्टेट वेटेरिनरी, तेरमेज़ इंस्टीट्यूट तथा देनोव इंस्टीट्यूट के बीच शिक्षा, अनुसंधान, जैव प्रौद्योगिकी एवं उद्यमिता विकास आदि क्षेत्रों में सहयोग हेतु अनेक समझौते हस्ताक्षरित किए गए। इन समझौतों से छात्र और संकाय विनिमय कार्यक्रमों संयुक्त अनुसंधान पहलों, शैक्षणिक गतिशीलता और अंतर्राष्ट्रीय इंटर्नशिप को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है जिससे इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की वैश्विक भागीदारी बढ़ेगी। कुलपति डॉ. चंदेल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने उज्बेकिस्तान के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं भी तलाशी जिनमें चांवल अनुसंधान, औषधीय फसलों की खेती, जैव प्रौद्योगिकी और कृषि उद्यमिता प्रमुख हैं। प्रतिनिधिमंडल ने उज्बेकिस्तान में कृषि आधारित उद्योगों के विकास में भारतीय किसान उत्पादक संगठनों की भागीदारी की संभावनाओं पर भी चर्चा की। उज्बेकिस्तान के विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु काफी रूचि दिखाई। डॉ. चंदेल ने आशा व्यक्त की कि जिस प्रकार बड़ी संख्या में भारतीय छात्र मेडिकल शिक्षा के लिए उज्बेकिस्तान

जाते हैं उसी प्रकार भविष्य में उज्बेकिस्तान के विद्यार्थी कृषि शिक्षा प्राप्त करने लिए छत्तीसगढ़ आएंगे। उल्लेखनीय है कि उच्च शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के विस्तार के परिप्रेक्ष्य में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर का एक प्रतिनिधिमंडल कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल के नेतृत्व में 28 फरवरी से 10 मार्च 2026 तक उज्बेकिस्तान के दौरे पर गया था। यह भ्रमण भारतीय एवं उज्बेक संस्थानों के बीच शैक्षणिक संबंधों को सुदृढ़ करने तथा कृषि विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, संरक्षित खेती, कृषि उद्यमिता एवं प्रमुख फसलों की मूल्य श्रृंखला विकास में सहयोग की संभावनाओं का अन्वेषण करने हेतु किया गया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों एवं शासकीय प्रतिनिधियों से भेंट कर संयुक्त शैक्षणिक कार्यक्रमों, अनुसंधान सहयोग एवं संस्थागत साझेदारी के अवसरों की पहचान की। प्रतिनिधि मंडल में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रो. हुलास पाठक भी शामिल थे। इस यात्रा का उद्देश्य कृषि शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना था साथ ही भारत और उज्बेकिस्तान के बीच दीर्घकालिक संस्थागत साझेदारी का निर्माण करना था। यात्रा के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उजबेकिस्तान के प्रमुख विश्वविद्यालयों अनुसंधान संस्थानों और नीति संगठनों के साथ जुड़कर कृषि विज्ञान जैव प्रौद्योगिकी कृषि उद्यमिता संरक्षित खेती और मूल्य श्रृंखला विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग के अवसरों का पता लगाया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने पाँच प्रमुख सस्थानो, तेरमेज़ पेडागोजिकल इंस्टीट्यूट, डेनोव इंस्टीट्यूट ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप एक पेडागोजी, ताशकंद स्टेट एग्रेरियन यूनिवर्सिटी, बुखारा स्टेट यूनिवर्सिटी और समरकंद स्टेट वेटरनरी यूनिवर्सिटी के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। प्रतिनिधिमंडल ने ताशकंद में प्रत्यायन और रेटिंग अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी के साथ भी एक विस्तृत बैठक की। इस यात्रा ने उज्बेकिस्तान की तेजी से विस्तार कर रही उच्च शिक्षा प्रणाली के बारे में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की और कौशल विकास, संकाय प्रशिक्षण और डिजिटल शिक्षण समाधानों में सहयोग के नए रास्ते खोले।

संपादकीय

कैंसर बेल्ट की ओर बढ़ता उत्तर भारत?

हाल के वर्षों में भारत में कैंसर का रोग जिस पैमाने पर बढ़ता देखा जा रहा है, उसने समूचे चिकित्सा जगत में चिंता पैदा कर दी है। विडंबना यह है कि चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में तमाम प्रगति के बावजूद देश में कैंसर के मामलों में खासी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। आमतौर पर इसके उपचार पर तो ध्यान केंद्रित किया जाता है, लेकिन बचाव की दिशा में नहीं सोचा जा रहा है। नतीजतन, कैंसर के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है।पिछले दिनों राज्यसभा में केंद्र सरकार की ओर से प्रस्तुत भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के आंकड़ों ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। इसके मुताबिक, हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश में पिछले पांच वर्षों के दौरान कैंसर के मामलों और इससे होने वाली मौतों में निरंतर वृद्धि हुई है। इस अवधि में इन चारों क्षेत्रों में कुल चार लाख सत्रह हजार से अधिक मरीजों के आने का अनुमान है।आंकड़ों के हिसाब से चंडीगढ़ में ही प्रतिदिन दो लोगों की मौत हो रही है। बीते पांच वर्षों में करीब दो लाख पैंतीस हजार से अधिक लोगों की मौत से स्थिति की गंभीरता का पता चलता है। गौरतलब है कि हर साल कैंसर के करीब पंद्रह लाख नए मरीज सामने आते हैं। अगले बीस वर्षों में यह संख्या पच्चीस लाख पहुंचने का अंदेशा है। महज दवाओं को सस्ता करने और कैंसर अस्पताल खोल देने भर से यह समस्या दूर नहीं होगी। सच यह है कि मरीजों को इस समय सस्ता और सुलभ उपचार की जरूरत है।मगर समस्या को जड़ से मिटाने के लिए कैंसर की रोकथाम पर काम करने के साथ नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना होगा। फिलहाल लक्ष्य यह होना चाहिए कि पहले चरण में ही मर्ज की पहचान कर ली जाए और जिन कारणों से मामले बढ़ रहे हैं, उनको जड़ से खत्म किया जाए।पंजाब और हरियाणा सहित सभी राज्यों में कीटनाशकों के बेलगाम इस्तेमाल पर रोक लगाना होगा, क्योंकि कैंसर के बढ़ते मामलों के पीछे इसे भी एक बड़ी वजह माना गया है। औद्योगिक कचरों के सख्ती से निपटान के साथ वायु और भू-जल प्रदूषण पर भी अंकुश लगाने की तत्काल जरूरत है।दुनिया भर में युद्ध सैन्य मोर्चों पर लड़े जाते रहे हैं, लेकिन उसकी आंच में आम लोग झुलसते हैं। ईरान पर इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद इस युद्ध का दायरा जिस स्वरूप में फैला है, उसका असर अब आशंका के अनुरूप सामने आना शुरू हो चुका है।

ईरान युद्ध के दो हफ्तों बाद भी मध्य-पूर्व में तनाव का स्तर अपने चरम पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि अमेरिकी सेना ने ईरान के खर्ग द्वीप पर इस क्षेत्र के इतिहास की सबसे भीषण बमबारी की है। यह द्वीप न केवल एक प्रतिबंधित सैन्य क्षेत्र है, बल्कि इसे ईरान की आर्थिक जीवनरेखा माना जाता है। लक्षद्वीप के सभी द्वीपों को मिलाकर बने क्षेत्रफल से भी छोटा यह द्वीप ईरान के लिए किसी खजाने से कम नहीं है। ईरान के कुल तेल निर्यात का 90 प्रतिशत हिस्सा यहीं से संसाधित होता है। 2024 में ईरान ने तेल बिक्री से लगभग 78 बिलियन कमाए, जिसका मुख्य केंद्र खर्ग ही था।

दुनिया देखेगी तीसरा विश्वयुद्ध?

अमेरिका काटने जा रहा ईरान की जीवनरेखा ?

(रेनू तिवारी)

ईरान युद्ध के दो हफ्तों बाद भी मध्य-पूर्व में तनाव का स्तर अपने चरम पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि अमेरिकी सेना ने ईरान के खर्ग द्वीप पर इस क्षेत्र के इतिहास की 'सबसे भीषण बमबारी' की है।

ईरान युद्ध के दो हफ्तों बाद भी मध्य-पूर्व में तनाव का स्तर अपने चरम पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि अमेरिकी सेना ने ईरान के खर्ग द्वीप पर इस क्षेत्र के इतिहास की सबसे भीषण बमबारी की है। यह द्वीप न केवल एक प्रतिबंधित सैन्य क्षेत्र है, बल्कि इसे ईरान की आर्थिक जीवनरेखा माना जाता है। लक्षद्वीप के सभी द्वीपों को मिलाकर बने क्षेत्रफल से भी छोटा यह द्वीप ईरान के लिए किसी खजाने से कम नहीं है। ईरान के कुल तेल निर्यात का 90 प्रतिशत हिस्सा यहीं से संसाधित होता है। 2024 में ईरान ने तेल बिक्री से लगभग 78 बिलियन कमाए, जिसका मुख्य केंद्र खर्ग ही था। यहाँ का समुद्र इतना गहरा है कि दुनिया के सबसे बड़े तेल टैंकर यहाँ आसानी से डॉक कर सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप मुख्य भूमि ईरान (जो इराक से 4 गुना बड़ा है) पर हमला करने के बजाय खर्ग द्वीप पर (जमीनी सेना) उतारने का प्रलोभन महसूस कर सकते हैं। यह द्वीप मुख्य भूमि से 25-28 किमी दूर है। यदि अमेरिका इस पर अचानक कब्जा कर लेता है, तो ईरान के लिए कम समय में वहां सेना भेजना नामुमकिन होगा। खर्ग पर कब्जा करने का मतलब है ईरान की 90त कमाई पर ताला लगा देना। इससे ट्रंप को ईरान को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर करने की अपार शक्ति मिलेगी।

ईरान युद्ध के दो हफ्ते बीत जाने के बाद भी, अमेरिका और इज़राइल का एक मुख्य लक्ष्य -- देश में सत्ता परिवर्तन -- अभी भी पूरा नहीं हो पाया है, जबकि युद्ध के पहले ही दिन सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई मारे जा चुके थे। इसके बजाय, ईरान ने इस संघर्ष को पूरे खाड़ी क्षेत्र में फैला दिया है और उसने होर्मुज़ जलडमरूमध्य और वहाँ से गुजरने वाले तेल को प्रभावी ढंग से बंधक बना लिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति अच्छी तरह जानते हैं कि मुख्य ईरान, इराक या वेनेज़ुएला जैसा नहीं है, और वहाँ ज़मीन पर सेना उतारने से भारी जान-माल के नुकसान का काफ़ी जोखिम होगा -- जो उनके घरेलू दर्शकों (देश की जनता) के लिहाज़ से एक राजनीतिक रूप से जोखिम भरी रणनीति होगी। इसे सही परिप्रेक्ष्य में समझने के लिए, ईरान इराक से चार गुना बड़ा है और वहाँ विशाल, ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाका है।

हालाँकि, खर्ग : जो लक्षद्वीप के सभी द्वीपों को मिलाकर बने कुल क्षेत्रफल से भी छोटा द्वीप है और ईरान के तट से लगभग 25 किलोमीटर दूर स्थित है -- ठीक वैसी ही जगह है जो किसी भी सैन्य कमांडर की नज़र में हमले के लिए सबसे उपयुक्त जगहों की सूची में सबसे ऊपर होगी।

इस द्वीप के बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध है; यह हमेशा गोपनीयता के आवरण में लिपटा रहता है और इसकी सुरक्षा आईआरजीसी के कमांडो करते हैं। ईरानियों के लिए, इसे 'वर्जित द्वीप' के नाम से जाना जाता है, जहाँ केवल कुछ चुनिंदा लोगों को ही जाने की सख्त अनुमति है। लेकिन यह इतना महत्वपूर्ण क्यों है? पाँच मील लंबा होने के बावजूद, खर्ग असल में ईरान के तेल निर्यात का नियंत्रण केंद्र है।

खर्ग द्वीप इतना महत्वपूर्ण क्यों है?: दिलचस्प बात यह है कि 1979 की क्रांति के दौरान ईरान ने अमेरिका से खर्ग द्वीप को अपने कब्ज़े में ले लिया था। आज, यहाँ से ईरान के कुल तेल निर्यात का 90त हिस्सा संसाधित होता है, और यहाँ सालाना लगभग 950 मिलियन बैरल तेल का प्रबंधन किया जाता है। सबसे अहम बात यह है कि खर्ग गहरे पानी के करीब है, जहाँ तेल टैंकर सुरक्षित रूप से डॉक कर सकते हैं और कच्चा तेल लोड कर सकते हैं; यह तेल ज़्यादातर भारत और चीन जैसे एशियाई बाज़ारों में जाता है।

2024 में, ईरान ने तेल की बिक्री से लगभग 78 बिलियन (7.2 लाख करोड़) कमाए। इस कमाई का ज़्यादातर हिस्सा खर्ग से बेचे गए कच्चे तेल से आया। यह पैसा न केवल सरकारी कामकाज के लिए फंड देता है, बल्कि ईरान के रक्षा प्रोजेक्ट्स के लिए भी बहुत ज़रूरी है–जिसमें उसके मिसाइल और ड्रोन बेड़े का विकास भी शामिल है।

इसलिए, खर्ग पर कब्ज़ा करना ईरानी शासन के लिए आर्थिक और सैन्य, दोनों ही लिहाज़ से एक जानलेवा झटका साबित होगा। इससे ट्रंप को काफी ज़्यादा मोलभाव करने की ताकत मिलेगी। आख़िर, उन्होंने ईरानी तेल हासिल करने की संभावना को खुला रखा है। ठीक वैसे ही, जैसा उन्होंने वेनेज़ुएला के साथ किया था।

दरअसल, एईस की रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में व्हाइट हाउस में हुई एक बेहद गोपनीय बैठक में, ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने खर्ग पर कब्ज़ा करने की संभावना पर चर्चा की थी।

शिकागो यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर रॉबर्ट पेप ने मीडिया को बताया कि इस तरह का ज़मीनी युद्ध होगा या नहीं, यह सवाल नहीं है; सवाल तो बस यह है कि यह कब होगा।

भू-राजनीतिक मामलों के विशेषज्ञ पेप ने कहा, पिछले 100 सालों में, हवाई हमलों के ज़रिए किसी शासन को उखाड़ फेंकने की कई कोशिशें हुई हैं, लेकिन इस पूरे समय में, सिर्फ़ हवाई ताकत के दम पर ऐसा कभी नहीं हो पाया है। किसी शासन को बदलने के लिए, आपको न सिर्फ़ ज़मीनी युद्ध लड़ना पड़ता है, बल्कि एक बेहद क्रूर युद्ध लड़ना पड़ता है–जिसमें दोनों तरफ़ भारी नुकसान होता है और बहुत ज़्यादा जानें जाती हैं।

खर्ग द्वीप, भले ही ईरान के तेल का मुख्य केंद्र हो, लेकिन अपनी भौगोलिक स्थिति (दूरी) की वजह से यह उसकी सबसे बड़ी कमज़ोरी भी है। यह द्वीप मुख्य भूमि से लगभग 28 किलोमीटर दूर स्थित है–जो भारत और श्रीलंका के बीच की दूरी से थोड़ा ही कम है। इसलिए, अगर अमेरिका और इज़रायल की सेनाएँ अचानक ज़मीनी हमला कर दें, तो इतने कम समय में खर्ग तक अपनी सेना पहुँचाना ईरान के लिए मुमकिन नहीं होगा। लेकिन अमेरिका का ज़मीनी हमला किस तरह से आगे बढ़ेगा? एक काल्पनिक स्थिति का अंदाज़ा लगाने के लिए, हमने रक्षा विशेषज्ञ संदीप उन्नीथन से बात की है।

अमेरिका खर्ग द्वीप पर कब्ज़ा करने की कोशिश कैसे कर सकता है?: वहाँ मौजूद भारी सैन्य ताकतों को देखते हुए, खर्ग द्वीप पर कब्ज़ा करने की किसी भी कोशिश के लिए एक बहुत ही सोच-समझकर बनाई गई, कई चरणों वाली योजना की ज़रूरत होगी। ज़मीनी हमले की शुरुआत शायद हवाई क्षेत्र में अपनी पूरी पकड़ बनाने और ईरान के हवाई सुरक्षा तंत्र को पंगु बनाने से होगी–ताकि लड़ाकू विमान हमलावर सैनिकों को वहाँ उतार सकें; ठीक उसी तरह का ऑपरेशन, जैसा कि अमेरिका का दावा है कि उसने शुक्रवार को अंजाम दिया था। उन्नीथन के अनुसार, इस तरह के किसी भी ऑपरेशन में संभवतः नौसेना और वायुसेना का एक संयुक्त हमला शामिल होगा, जिसमें नेवी सील्स, डेल्टा फोर्स और आर्मी रेंजर्स जैसी स्पेशल फोर्स यूनिट्स हिस्सा लेंगी।

डिस्ट्रॉयर्स से लैस यूएस नौसेना का एक बेड़ा हवाई सुरक्षा कवर देगा, जबकि असॉल्ट जहाज़ सैनिकों को वहाँ पहुँचाएँगे। इसके अलावा, स वायुसेना अतिरिक्त सैनिकों को उस द्वीप तक पहुँचाएगी।

संयोग से, यूएस जापान से 2,500 मरीन सैनिकों और तीन एम्फीबियस युद्धपोतों–जिनमें यूएसएस ट्रिपोली भी शामिल है–को मध्य-पूर्व की ओर भेज रहा है; इससे यह संकेत मिलता है कि ज़मीनी हमला कभी भी शुरू हो सकता है।

अगर ऐसा होता है, तो ज़्यादातर सैन्य कार्रवाई शायद खर्ग के उत्तरी हिस्से पर केंद्रित होगी, जहाँ हवाई पट्टी और आईआरजीसी की सुविधाएँ मौजूद हैं। दक्षिणी हिस्से में, जहाँ तेल टर्मिनल और जेट्टी हैं, वहाँ शायद कम कार्रवाई होगी। खर्ग पर अमेरिका का संभावित हमला चार चरणों में हो सकता है।

4 चरणों में हमला

चरण 1: पहला कदम शायद द्वीप पर मौजूद ईरानी रडार, हवाई-रक्षा प्रणालियों और जहाज़-रोधी मिसाइल बैटरियों पर हमले करना होगा। इन्हें निष्क्रिय करने से द्वीप की ओर आ रहे विमानों और जहाज़ों के लिए जोखिम कम हो जाएगा, जिससे अमेरिकी सैनिकों के अंदर आने का रास्ता साफ़ हो जाएगा। ऐसा लगता है कि बमबारी के ज़रिए यह काम पहले ही पूरा कर लिया गया है।

चरण 2: एक बार जब अमेरिकी विशेष बल द्वीप पर पहुँच जाएँगे, तो उनका मुख्य उद्देश्य द्वीप की हवाई पट्टी पर कब्ज़ा करना और उसे सुरक्षित करना होगा। द्वीप के उत्तरी हिस्से में स्थित हवाई पट्टी को सुरक्षित करना चुनौतीपूर्ण होगा, क्योंकि इसका प्रबंधन आईआरजीसी करता है।

चरण 3: रनवे पर कब्ज़ा करने के बाद, सी-130 सुपर हरक्यूलिस विमानों और चिनूक हेलीकॉप्टरों के ज़रिए सैनिकों को वहाँ लाया जा सकता है। साथ ही, पास में मौजूद अमेरिकी युद्धपोत हवाई-रक्षा कवच प्रदान कर सकते हैं। इसके बाद ये सैनिक तेज़ी से आगे बढ़कर द्वीप पर मौजूद तेल के बुनियादी ढाँचे और मुख्य जेट्टियों को सुरक्षित कर सकते हैं।

चरण 4: अंतिम चरण में, मुख्य जेट्टियों पर लैंडिंग प्लेटफ़ॉर्म डॉक्स जैसे उभयचर जहाज़ों से अतिरिक्त सैनिकों को तैनात किया जा सकता है। ईरानी यूएवी से बचाव के लिए ड्रोन-रोधी प्रणालियाँ तैनात की जा सकती हैं, जबकि सैनिक पूरे द्वीप पर एक सुरक्षा घेरा बना लेंगे।

साथ ही, आरआरजीसी की नौसेना इकाइयों द्वारा संभावित हमलों से बचाव के लिए तेज़ हमलावर जहाज़ आस-पास के पानी में गश्त करेंगे।

इसके क्या परिणाम हो सकते हैं?: अगर इस तरह का समन्वित हमला ठीक से किया जाता है, तो यह निस्संदेह ईरान की कमर तोड़ देगा। ईरान के नौसैनिक बल पहले ही काफ़ी हद तक तबाह हो चुके हैं। इस हफ्ते की शुरुआत में, ट्रंप ने दावा किया था कि लगभग 50 ईरानी नौसैनिक जहाज़ पहले ही नष्ट हो चुके हैं। इसलिए, खर्ग पर हमले की स्थिति में, ईरान कम समय में मुख्य भूमि से सैनिकों को दोबारा रसद नहीं पहुँचा पाएगा।

'मां उंगली पकड़कर संगीत की दहलीज पर ले गईं तो सासू मां ने आगे बढ़ना सिखाया'

(पूनम बिष्ट)

भूली-बिसरी लोक कला को जीवन दे रहीं शास्त्रीय गायिका और लोक कलाकार डॉ कुसुम भट्ट। कोई भी हुनर तभी अच्छे से निखरता है जब उसे अपने घर पर इसके लिए सकारात्मक माहौल मिलता है और जब बात एक महिला के हुनर की हो तो यह सपोर्ट एक नहीं दो-दो घरों से चाहिए होता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आज हम आपको ऐसी ही शख्सियत के बारे में बता रहे हैं जो रंगमंच से लेकर टीवी जगत तक में उत्तराखंड की लोक संस्कृति का एक जाना पहचाना नाम हैं। हम बात कर रहे हैं डॉ कुसुम भट्ट की।

रामलीला से शुरू हुआ सफर : उत्तराखंड में बर्फ से ढंकी वादियों से घिरे पौड़ी गढ़वाल में पली-बढ़ीं डॉ कुसुम की शिक्षा और संगीत की दीक्षा पौड़ी में रहकर ही हुई। उन्हें अपने गुरु श्री मोहन सिंह रावत पौड़ी में ही मिले। वह बताती हैं, पांच भाई-बहनों के हमारे परिवार में मैं दूसरे नंबर की बेटी हूं। मां ने गायिकी में मेरी रुचि देखी तो उन्होंने प्रोत्साहित किया और संगीत की दीक्षा दिलवाई। पिता देवेंद्र दत्त कारोबारी तो मां रोशनी देवी गृहिणी मगर उन्होंने मुझे कभी संगीत की दिशा में आगे बढ़ने के लिए नहीं रोका। यह इसलिए अहम है कि उस दौर में संगीत से जुड़े लोगों खासकर महिलाओं को अच्छी नजर से नहीं देखा जाता था। मैंने रामलीला में गायन से शुरुआत की। महज 12 साल की उम्र में 1996 में मुझे सर्वश्रेष्ठ गायिका का पुरस्कार मिला। वहीं रहकर मैंने शास्त्रीय संगीत और तबला वादन में विशारद की। आगे की राह तलाशने के लिए 21 साल की उम्र में दिल्ली आ गई। शुरुआत में कई स्कूलों में म्यूजिक टीचर के तौर पर काम किया। इस दौरान सीडी, डॉक्यूमेंट्री, शो में गाना शुरू किया।

ससुराल में मिलीं नई गुरु : ऐसे ही एक दिन मुझे एक शो के दौरान परफॉर्मेंस करते हुए ग्वालियर घराने की शास्त्रीय गायिका सविता देवी मिलीं। वह आकाशवाणी की आर्टिस्ट थीं। उन्हें मेरी कला और व्यक्तित्व इतना अच्छा लगा कि उन्होंने अपने बेटे के लिए मेरा हाथ मांग लिया। इस तरह मेरे जीवन में एक और गुरु का प्रवेश हुआ। मेरी सासू मां हमेशा मुझे संगीत के रियाज के लिए प्रोत्साहित करतीं। वह चाहती थीं कि शादी के बाद जिस तरह ज्यादातर कलाकारों को अपना हुनर त्यागना पड़ता है, वैसा मेरे साथ न हो। उन्हीं के प्रोत्साहन से मैंने संगीत के क्षेत्र में काम जारी रखा। सासू मां के बाद पति पीयूष शर्मा ने हर कदम पर साथ दिया। वह खुद भी कारोबारी हैं और क्रिकेटर रहे हैं।

पहाड़ों की नाट्य शैली दिल्ली में लाईं : परिवार के इसी सपोर्ट के बदौलत, घर की जिम्मेदारियां निभाते हुए मैंने शास्त्रीय संगीत से एक कदम आगे बढ़ाकर उत्तराखंड के लोक नाट्य, लोक संगीत, लुप्त हो रही परंपराओं पर शोध शुरू किया। 2019 में मैंने उत्तराखंड के होली गीतों पर अपनी पीएचडी पूरी की। उसके बाद पहाड़ों की लुप्त हो रही पांडवानी पर रिसर्च शुरू की। दिल्ली में रहकर पहाड़ों की लुप्त हो रही कलाओं पर शोध कैसे करती हैं, इस सवाल पर डॉ कुसुम बताती हैं, संपर्क खोजकर मैं उन इलाकों तक जाती हूं जहां आज भी ये विधाएं अपने मूल रूप में हैं। हाल ही में मैं केदारघाटी, ऊखीमठ इलाके में गई जहां मुखौटा शैली, पांडवानी आज भी जिंदा है। मेरी कोशिश है कि रिसर्च के साथ मैं दिल्ली के युवाओं को भी इन विधाओं से अवगत कराऊं, इसीलिए मैं युवाओं को फ्री में पांडवानी, मुखौटा, होली गीत की वर्कशॉप कराती हूं। बुराड़ी, बदरपुर में ऐसी वर्कशॉप कर चुकी हूं। दिल्ली सरकार की गढ़वाली, कुमाऊंनी, जौनसारी अकादमी से मिले प्रोत्साहन की बदौलत बीते वर्ष में मैंने मोर मोर्याण, द्रौपदी को नारैण जैसे नाटक किए। द्रौपदी को नारैण पांडव शैली में लिखा गया मेरा नाटक है जिसे खूब सराहना मिली है। वहीं मोर मोर्याण मुखौटा शैली का नाट्य है। यह वही मुखौटा शैली है जिसे यूनेस्को से भी मान्यता मिली है। उत्तराखंड के वरिष्ठ रंगकर्मी डी आर पुरोहित ने इस क्षेत्र में काफी काम किया है और उन्हीं से प्रभावित होकर मैंने उत्तराखंड की मुखौटा शैली पर काम आगे बढ़ाया है।

कहीं जिम्मेदारियों के बोझ तले दम तो नहीं तोड़ रहे आपके सपने?

(सुप्रिया सत्यार्थी)

शुरुआत में हर ख्वाब हमें अपना-सा लगता है। वे ख्वाब हमारे मन में इतने गहरे बैठ जाते हैं कि हमें लगता है जैसे वे हमारी ही दुनिया हों। हर मंजिल हमसे बस कुछ कदमों की दूरी पर दिखाई देती है। हम ख्वाबों के रंगीन संसार में खो जाते हैं, जहां सब कुछ सुंदर होता है, सरल होता है। हम यह मान लेते हैं कि मेहनत करेंगे तो सब मिल जाएगा, कि हर बाधा को हम आसानी से पार कर लेंगे। उस समय हमारे भीतर आत्मविश्वास होता है, जोश होता है और भविष्य के प्रति एक अटूट विश्वास होता है, लेकिन जैसे-जैसे वक्त गुजरता है, हम हकीकत का सामना करने लगते हैं।

जिंदगी में हम हमेशा कुछ न कुछ चाहने की आदत में बंधे रहते हैं। यह चाहत ही शायद हमें इंसान बनाती है, हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। कभी ये इच्छाएं छोटी होती हैं, जैसे किसी अपने की मुस्कान, किसी परीक्षा में सफलता, या एक सुकून भरी शाम और कभी बहुत बड़ी जैसे एक बेहतर भविष्य, पहचान, सम्मान और अपने सपनों की उड़ान। मगर हर इच्छा, हर ख्वाब हमें आगे बढ़ने की ताकत देते हैं।

जब हम अपनी आंखों में ख्वाब संजोते हैं, तो यह ख्वाब हमें इस दुनिया के हर कोने में कुछ नया खोजने की प्रेरणा देता है। इन्हीं ख्वाबों के सहारे हम अपने जीवन के भविष्य के महल मन ही मन बना लेते हैं, मानो हर मंजिल हमारी मुट्ठी में हो। उस समय हमें लगता है कि हम कुछ भी कर सकते हैं, कुछ भी पा सकते हैं, लेकिन क्या कभी हमने ठहरकर यह सोचा है कि इन ख्वाबों को पूरा करने का रास्ता उतना आसान नहीं होता, जितना हमें शुरुआत में लगता है?

शुरुआत में हर ख्वाब हमें अपना-सा लगता है। वे ख्वाब हमारे मन में इतने गहरे बैठ जाते हैं कि हमें लगता है जैसे वे हमारी ही दुनिया हों। हर मंजिल हमसे बस कुछ कदमों की दूरी पर दिखाई देती है। हम ख्वाबों के रंगीन संसार में खो जाते हैं, जहां सब कुछ सुंदर होता है, सरल होता है। हम यह मान लेते हैं कि मेहनत करेंगे तो सब मिल जाएगा, कि हर बाधा को हम आसानी से पार कर लेंगे। उस समय हमारे भीतर आत्मविश्वास होता है, जोश होता है और भविष्य के प्रति एक अटूट विश्वास होता है, लेकिन जैसे-जैसे वक्त गुजरता है, हम हकीकत का सामना करने लगते हैं।

हकीकत की ठोकरें हमें हमारे ख्वाबों की असली कीमत समझाने लगती हैं। जिन रास्तों पर हमने फूलों की कल्पना की थी, उन्हीं रास्तों पर कांटे उग आते हैं। असफलताएं हमें घेर लेती हैं और हमारी उम्मीदें धीरे-धीरे फीकी पड़ने लगती हैं। ऐसा आमतौर पर होता है कि जब कोई चीज हमें आसानी से मिल जाती है, तो हम उसकी कीमत समझने की कोशिश नहीं करते। इसी तरह, अगर कोई व्यक्ति हमसे विनम्र और सद्भावपूर्ण व्यवहार करता है, हमें अपनी बात रखने या अपनी पसंद से आचरण करने की जगह मिलने पर कोई आपत्ति नहीं करता, तो हम वैसे व्यक्ति को हल्का मानकर उसकी अनदेखी करते हैं या उसे कम करके आंकते हैं।

मगर यही जब हमारे व्यक्तित्व में घुल जाता है, तब हम ऐसे व्यवहार की आदी हो जाते हैं और हमारे भीतर एक विचित्र अहं अपने पांव पसारने लगता है। हमें इसका भान तब होता है, जब हम किसी के लिए कुछ करते हैं और उसकी कद्र करते हैं और वह हमें कोई महत्त्व नहीं देता। दरअसल, बात यहां यह है कि हमें दूसरों के प्रति ही वैसा व्यवहार करना चाहिए, उसकी कद्र करनी चाहिए, जो हम अपने लिए दूसरों से अपेक्षा करते हैं। वक्त का पहिया कभी रुकता नहीं। यह बिना किसी से पूछे हमें आगे धकेलता रहता है।

इस रफ्तार में हम अक्सर अपने ख्वाबों को पीछे छोड़ देते हैं। हमें लगने लगता है कि दुनिया के साथ चलने के लिए हमें अपने सपनों से समझौता करना पड़ेगा। जिम्मेदारियों और कर्तव्यों का बोझ हमारे कंधों पर इतना बढ़ जाता है कि हम खुद के लिए समय निकालना ही भूल जाते हैं। परिवार, समाज और परिस्थितियों की अपेक्षाएं हमें जकड़ लेती हैं। धीरे-धीरे हम अपने भीतर के उस इंसान से दूर हो जाते हैं, जो कभी बड़े सपने देखा करता था। वक्त की इस अंधी दौड़ में हम यह भूल जाते हैं कि एक समय था जब हमारे ख्वाब हमारे जीने का कारण हुआ करते थे।

फिर किसी एक शाम, जब हम अकेले होते हैं और जिंदगी की रफ्तार कुछ धीमी पड़ जाती है, तब अचानक हमारे भीतर कहीं कोई आवाज गूंजने लगती है। यह आवाज हमारे उन्हीं ख्वाबों की होती है, जो कभी हमारी आंखों में चमक बन कर बसे थे। जब कोई ठंडी हवा चेहरे को छूती है और हम अपनी जिंदगी के बीते वर्षों को याद करते हैं, तो दिल के किसी कोने से एक सवाल उठता है- 'क्या हुआ उन ख्वाबों का, जो कभी तुम्हारी आंखों में उम्मीदों की तरह चमकते थे?' यह सवाल हमें बेचैन कर देता है। हमें एहसास होता है कि कहीं न कहीं हमने अपने ख्वाबों को रास्ते में ही छोड़ दिया है।

जिंदगी की दौड़ में हम बहुत-सी चीजों को खो देते हैं। हम अपने शौक, अपनी मासूम इच्छाएं, और कभी-कभी अपनी पहचान भी खो बैठते हैं। दूसरों की अपेक्षाओं को पूरा करते-करते हम खुद की अपेक्षाओं को दबा देते हैं, लेकिन यह बेहद जरूरी है कि हम खुद को पूरी तरह से बदलने न दें। कभी इतना न बदल जाएं कि हम अपने असली ख्वाबों को ही भूल जाएं, क्योंकि यही ख्वाब थे, जिन्होंने हमें एक दिशा दी थी, जिन्होंने हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी थी। अगर हम अपने ख्वाबों को मरने देंगे, तो हम धीरे-धीरे अपनी असल पहचान भी खो देंगे।

सपने हमें जीने की वजह देते हैं। वे हमें हर गिरावट के बाद उठने की ताकत प्रदान करते हैं। यह सच है कि ख्वाबों की राह आसान नहीं होती। इस राह में असफलताएं आती हैं, निराशा मिलती है, और कई बार खुद पर भी शक होने लगता है। मगर इन्हीं मुश्किलों से गुजर कर सपने साकार होते हैं। संघर्ष के बिना कोई भी सपना सच नहीं होता। जरूरी यह नहीं है कि हम हर ख्वाब पूरा कर ही लें, जरूरी यह है कि हम उन्हें जिंदा रखें।

वैश्विक सर्वेक्षणों के अनुसार यदि अक्षय ऊर्जा को नीति और निवेश के साथ जोड़ा जाए तो इससे न केवल अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि पर्यावरणीय समस्याओं से भी राहत मिलेगी।

प्रदूषण की लगातार बढ़ती समस्या और प्राकृतिक संसाधनों का सीमित होना आज दुनिया की बड़ी चुनौतियों में शामिल है। हर देश और नागरिक इस स्थिति से प्रभावित है। वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी चुनौती यह है कि लगातार बढ़ते प्रदूषण को कैसे रोका जाए, क्योंकि यह प्रतिवर्ष लाखों लोगों की जान ले रहा है।

जहां कभी गूंजती थी गोलियों की आवाज, अब विकास की दस्तक

जंगल-पगडंडियों को पार कर कलेक्टर-एसपी पहुंचे गांव, भरोसे और बदलाव की मजबूत शुरुआत

सुकमा। वर्षों तक भय और उपेक्षा का प्रतीक रहे ताड़मेटला गांव में आज एक नई उम्मीद की किरण दिखाई दी। आजादी के बाद पहली बार किसी कलेक्टर का इस सुदूर गांव तक पहुंचना न केवल प्रशासनिक पहल है, बल्कि विश्वास, संवेदना और बदलाव का सशक्त संदेश भी है।

कलेक्टर अमित कुमार और एसपी किरण चव्हाण ने घने जंगलों और कठिन पगडंडियों को पार कर ताड़मेटला पहुंचकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। उनके साथ डीआईजी सीआरपीएफ आनंद सिंह पुरोहित और जिला पंचायत सीईओ मुकुंद ठकुर भी उपस्थित रहे। प्रशासनिक टीम की यह पहल ग्रामीणों के लिए भावनात्मक और ऐतिहासिक पल बन गई। गांव में चौपाल लगाकर अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए। प्राथमिक शाला, आंगनबाड़ी भवन और पंचायत भवन के निर्माण के लिए कुल 45 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। साथ ही 15 लाख रुपये की अग्रिम राशि भी पंचायत के खाते में हस्तांतरित कर दी गई, जिससे विकास कार्यों की शुरुआत तुरंत हो सके। ग्रामीणों के जीवन को आसान बनाने के लिए पेयजल व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। प्रशासन ने आश्वस्त किया कि सप्ताह भर के भीतर हर घर तक पानी पहुंचाने का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा, क्योंकि पाइपलाइन बिछाने का काम लगभग पूरा हो चुका है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना, वृद्धा पेंशन, महतारी वंदन योजना, तेंदूपत्ता खरीदी, बिजली और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं पर भी सकारात्मक और विस्तृत चर्चा हुई। ग्रामीणों ने पहली बार महसूस किया कि प्रशासन उनकी दहलीज तक पहुंचकर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुन रहा है। उल्लेखनीय है कि ताड़मेटला वही गांव है, जो वर्ष 2010 की उस दर्दनाक घटना का साक्षी रहा, जब नक्सलियों ने 76 जवानों को शहीद कर दिया था। आज उसी धरती पर प्रशासन का यह कदम नक्सल उन्मूलन की दिशा में एक मजबूत संदेश और विश्वास बहाली की बड़ी पहल माना जा रहा है। विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा सुशासन और विकास की जो परिकल्पना की गई है, ताड़मेटला में उसकी ठोस शुरुआत स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। कलेक्टर अमित कुमार ने भावुक शब्दों में ग्रामीणों से कहा, अब आपके गांव का विकास आपके अपने हाथों में है। इन प्रशासनिक भवनों को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से पूरा कीजिए। प्रशासन हर कदम पर आपके साथ खड़ा है।

वासंतीय नवरात्र पर्व के अवसर पर श्री राघव मन्दिर किरंदुल में 213 ज्योति कलश प्रज्जवलित की गई

किरंदुल। नगरपरिवार, छत्तीसगढ़ प्रदेश, भारत देश एवं विश्व कल्याण की मंगल कामनाओं सहित श्री राम जनकल्याण सेवा (बैलाडीला देवस्थान) समिति श्री राघव मन्दिर के द्वारा चैत्र शुक्ल प्रतिपदा विक्रम संवत 2083 के सुअवसर पर शुभ मुहूर्त में घटस्थापना की गई। लौह नगरी के आस्था के प्रमुख केंद्र श्री राघव मंदिर में प्रति वर्ष की भांति इस नवरात्रि पर्व में श्रद्धालुओं द्वारा 213 ज्योति कलश प्रज्जवलित किये गए है। श्री राम जनकल्याण सेवा समिति श्री राघव मंदिर एवं गायत्री परिवार के पदाधिकारियों, सदस्यों, नगर परिवार की मातृशक्तियों की उपस्थिति में श्री राघव मन्दिर के प्रधान पुजारी सत्येंद्र प्रसाद शुक्ल द्वारा विधिविधान से घट स्थापना की गई। नवरात्र के प्रथम दिवस माँ शैलपुत्री की आराधना की जाती है। माँ शैलपुत्री पर्वतराज हिमालय की पुत्री हैं, जो स्थिरता, शक्ति और साहस का प्रतीक है।

लापरवाही पर प्रशासन का डंडा, दो अधिकारी सस्पेंड

सुकमा। जिले में शासकीय कार्यों में लापरवाही अब महंगी पड़ने लगी है। जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए कोंटा विकासखंड में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। विकासखंड कोंटा में प्रभारी मंडल संयोजक पी. श्रीनिवास राव को आवासीय संस्थाओं के निरीक्षण में गंभीर लापरवाही और अधिकारियों के निर्देशों की लगातार अनदेखी के चलते सस्पेंड किया गया है। जांच में उनके कार्यों में स्वेच्छाचारिता भी सामने आई, जिसे प्रशासन ने गंभीर कदाचार माना। वहीं उसांगल बालक आश्रम के प्रभारी अधीक्षक संतोष कुमार नाग पर भी कार्रवाई की गाज गिरी है। बिना सूचना अनुपस्थित रहने और नोटिस का संतोषजनक जवाब नहीं देने पर उन्हें भी निलंबित कर दिया गया। प्रशासन ने साफ संकेत दे दिया है कि अब लापरवाही करने वालों के खिलाफ सख्ती जारी रहेगी।

सरदार वल्लभभाई पटेल की स्मृति में 219 बटालियन ने मनाया 76वां सीआरपीएफ दिवस

कोंटा। 219वी बटालियन सी.आर.पी.एफ मुख्यालय इंजरम में 76वां सीआरपीएफ दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पार्थ सारथी घोष, कमांडेंट 219वी वाहिनी एवं सभी अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी एवं जवानों द्वारा वीर शहीदों को श्रद्धांजली अर्पित की गई। तत्पश्चात द्वारा कमांडेंट क्वार्टर गार्ड में गार्ड की सलामी ली गई। सीआरपीएफ दिवस हर साल 19 मार्च को मनाया जाता है, ताकि 1950 के उस दिन को याद किया जा सके जब भारत के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा इस बल को प्रेसिडेंट्स कलर (राष्ट्रपति ध्वज) प्रदान किया गया। पार्थ सारथी घोष, कमांडेंट 219वी वाहिनी ने अपने संबोधन में कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा प्रदान किया गया ध्वज केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि बल, साहस, अनुशासन एवं राष्ट्र सेवा के प्रति अटूट निष्ठा का प्रतीक एवं क्षेत्र में नक्सल उन्मूलन के लिए 219 बटालियन के प्रत्येक जवान की सराहना की, भविष्य में भी इस प्रकार के सराहनीय कार्य को जारी रखने हेतु उत्साहवर्धन किया। कहा की यह प्रत्येक जवान का कर्तव्य है कि वह इस ध्वज की गरिमा एवं सम्मान को बनाए रखते हुए देश की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहे। सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण एवं एकीकरण में योगदान एवं सीआरपीएफ को दिए गए उनके मार्गदर्शन पर प्रकाश डाला गया। सभी अधिकारियों एवं जवानों ने उनके आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए राष्ट्र सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आरएसएस ने मनाया वर्ष प्रतिपदा उत्सव

किरंदुल। किरन्दुल राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा वर्ष प्रतिपदा उत्सव का आयोजन किया। संघ के स्वयंसेवकों ने आद्य सरसंघचालक प्रणाम कर उत्सव की शुरुआत की मुख्य वक्ता मृत्युंजय ने बताया कि प्रत्येक वर्ष चैत्र मास में शुक्ल पक्ष के प्रथम दिवस में यह उत्सव मनाया जाता हैं। आद्य सरसंघचालक प्रणाम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा आज के दिन संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार को दिया जाने वाला विशेष सम्मान है यह वर्ष में केवल एक बार आयोजित होने वाला एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसमें स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में उपस्थित होकर राष्ट्र निर्माण के लिए उनके योगदान को याद करते हैं प्रत्येक स्वयंसेवक इस कार्यक्रम में प्रमुखता से अपनी उपस्थिति रखते हैं ।आज से नव विक्रम संवत 2083 का प्रारंभ होता है और मां भवानी के आराधना की दिवस नवरात्रि का शुभारंभ भी होता है इस समय व्रत और साधना के माध्यम से आत्म शुद्धि और मनः शांति को प्राप्त करना चाहिए साथ ही पाश्चात्य संस्कृति को अपने जीवन में हावी होने से रोकना चाहिए साथ ही अपने जीवन में बदलाव ला सके ऐसे संकल्प साधना भी करनी चाहिए ताकि हमारा जीवन और बेहतर हो सके इस तिथि में समूची प्रकृति भी अपना शृंगार करती है मानो स्वयं उत्सव स्वरूप मना रही हो यह तिथि पूर्णतः परिवर्तन और नवीनता के साथ आती है साथ ही इसे भारत के भिन्न भिन्न क्षेत्रों में अन्य नामों से भी मनाया जाता है जैसे महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा दक्षिण के क्षेत्रों में उगादि के नाम से यह पर्व मनाया जाता है। अंत में सभी स्वयंसेवकों ने अल्पाहार ग्रहण कर आपस में सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं दी और कार्यक्रम का समापन किया।

कलेक्टर ध्रुव सहित जनप्रतिनिधियों द्वारा बस्तर हेरिटेज मैराथन के लिए प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

दंतेवाड़ा। जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग दंतेवाड़ा के संयुक्त तत्वावधान में लाइवलीहुड कॉलेज कारली से बस्तर हेरिटेज मैराथन दौड़ के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह प्रचार रथ दंतेवाड़ा, कटेकल्याण, बचेली, किरंदुल, गीदम एवं बारसुर क्षेत्रों में भ्रमण करते हुए जगदलपुर में आयोजित होने वाली बस्तर हेरिटेज मैराथन दौड़ में भाग लेने के लिए युवाओं को प्रेरित करेगा। यह प्रचार अभियान 22 मार्च 2026 तक जारी रहेगा। इस अवसर पर जनपद पंचायत गीदम अध्यक्ष शकुंतला भास्कर, जनपद पंचायत दंतेवाड़ा अध्यक्ष सुनीता भास्कर, नगर पालिका परिषद दन्तेवाड़ा अध्यक्ष पायल गुप्ता, जनपद पंचायत गीदम उपाध्यक्ष दिनेश कौशल, पुलिस अधीक्षक गौरव राय, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जयंत नाहटा, उप पुलिस अधीक्षक नसीर सिद्दीकी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गीदम बलराम ध्रुव उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने जिले से मैराथन में भाग लेने वाले धावकों को शुभकामनाएं देते हुए अधिक से अधिक युवाओं से सहभागिता की अपील की। सहायक खेल अधिकारी प्रदीप सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि मैराथन हेतु पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ है। इच्छुक प्रतिभागी अपने मोबाइल के माध्यम से आधिकारिक वेबसाइट https://www.bastarheritage.run/ पर जाकर पंजीयन कर सकते है।

दो दिवसीय जिला स्तरीय जयपुर फुट कैंप का हुआ सफल समापन

दंतेवाड़ा। जिले में दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण एवं पुनर्वास हेतु आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय जयपुर फुट कैंप का विगत दिवस सफल समापन हुआ। इस कैंप में कुल 133 दिव्यांगजनों ने पंजीयन कराया, जिनमें से अनेक हितग्राहियों को आवश्यक सहायक उपकरण एवं सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। कैम्प के दौरान 13 हितग्राहियों को नया दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी किया गया। वहीं 14 लाभार्थियों को सामान्य ट्रायसायकल, 9 को व्हील चेयर, 86 को श्रवण यंत्र, 7 को कैलीपर्स, 7 को बैसाखी तथा 12 दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग प्रदान किए गए। इस पहल से लाभान्वित व्यक्तियों के जीवन में आत्मनिर्भरता एवं आत्मविश्वास का संचार हुआ है। कैम्प के प्रथम दिवस में जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

रमज़ान में इंसानियत की मिसाल : सरकारी योजनाओं से वंचित दिव्यांग परिवार को समाज ने दिया नया आशियाना

नारायणपुर। जिले में एक मार्मिक और प्रेरणादायक मामला सामने आया है, जहां सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिलने के बावजूद समाज की पहल से एक जरूरतमंद परिवार को नया घर मिल सका।

अंजुमन इस्लामिया कमेटी नारायणपुर एवं बस्तर संभाग मुस्लिम समाज के सहयोग से आर्थिक रूप से कमजोर और दिव्यांग आबिद भाई तथा उनकी बेवा माता फातिमा बेगम को नया पक्का आशियाना प्रदान किया गया।

जानकारी के अनुसार, आबिद भाई लंबे समय से कच्चे और जर्जर मकान में जीवन यापन कर रहे थे। उन्होंने कई बार कलेक्टर जनदर्शन और जिला प्रशासन से मदद की गुहार लगाई, लेकिन भूमि के दस्तावेजों के अभाव में उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिल सका। बताया गया कि तत्कालीन कलेक्टर विपिन मांझी ने स्वयं उनके मकान का निरीक्षण किया था और सहायता का आश्वासन भी दिया था, लेकिन उनके स्थानांतरण के बाद मामला आगे नहीं बढ़ सका और परिवार की समस्या जस की तस बनी रही। इस बीच समाज अंजुमन इस्लामिया कमेटी नारायणपुर की अगुवाई में मुस्लिम समाज के लोगों ने पहल करते हुए आपसी सहयोग से धनराशि एकत्रित की और आबिद खान के लिए नया घर बनवाया। 18 मार्च को बाद नमाज असर जामा मस्जिद नारायणपुर के इमाम साहब द्वारा फातेहा के साथ मकान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर बस्तर संभाग मुस्लिम समाज के पदाधिकारी तथा जगदलपुर, कोंडागांव, केशकाल और नारायणपुर के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान आबिद भाई को नए घर की चाबी सौंपी गई। वहीं नए मकान का उद्घाटन सनातन धर्म के जिला अध्यक्ष नारायणपुर साहू ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर विभिन्न समाजों के लोगों की उपस्थिति ने सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। कार्यक्रम में बस्तर संभाग मुस्लिम समाज के अध्यक्ष हाजी वसीम अहमद, केशकाल के सदर हाजी सलीम मेमन, कोंडागांव के पूर्व सदर हाजी यासीन, उपाध्यक्ष हाजी असलम मंसूरी तथा पूर्व पार्षद प्रमिला प्रधान सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। अंजुमन इस्लामिया कमेटी, नारायणपुर के सदर मोहम्मद इमरान खान ने बताया कि मुस्लिम समाज के लोगों के सहयोग से मकान का निर्माण कार्य पूरा किया गया। उन्होंने कहा कि समाज की सेवा के लिए उनकी पूरी टीम समर्पित भाव से कार्य कर रही है और ऐसे प्रयास आगे भी निरंतर जारी रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान जिले में अमन-चैन, शांति और भाईचारे की मजबूती के लिए दुआ की गई। अंत में अंजुमन इस्लामिया कमेटी, नारायणपुर और मुस्लिम समाज के सदस्यों ने ऐसे सामाजिक कार्यों को आगे भी जारी रखने का संकल्प लिया है।

बस्तर हेरिटेज मैराथन के लिए अधिकाधिक पंजीयन करवाने पर बल

ग्रीष्मकालीन पेयजल व्यवस्था को करें सुदृढ़ : डोमन सिंह

जगदलपुर। कमिश्नर बस्तर संभाग डोमन सिंह ने संभाग स्तरीय अधिकारियों की मासिक समीक्षा बैठक में ग्रीष्मकालीन पेयजल व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में जल प्रदाय योजनाओं के समुचित संधारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में सभी क्षेत्रों में पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित किया जाए, इसके लिए संबंधित विभाग सतर्कता के साथ कार्य करें। कमिश्नर ने सुधार योग्य नल-जल योजनाओं तथा सोलर ड्यूल पंपों की शीघ्र मरम्मत सुनिश्चित करने को कहा। इसके साथ ही अभियान चलाकर हैंडपंपों की मरम्मत करने तथा आवश्यक राइजिंग पाइप एवं अन्य स्पेयर पार्ट्स की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने आवश्यकता के अनुरूप अन्दरूनी बसाहटों में नए हैंडपंप स्थापित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थलों पर आम जनता के लिए पर्याप्त संख्या में प्याऊ खोलने के निर्देश दिए, ताकि गर्मी में लोगों को सहज रूप से पेयजल उपलब्ध हो सके। बैठक में कमिश्नर ने बस्तर हेरिटेज मैराथन आयोजन में अधिकाधिक धावकों को शामिल करने हेतु ज्यादा से ज्यादा पंजीयन करवाने पर बल देते हुए स्थानीय खेल संघों और संगठनों से समन्वय किए जाने कहा। कमिश्नर ने कहा कि सभी संभाग स्तरीय अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित भ्रमण कर मॉनिटरिंग करते हुए योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करें। साथ ही मैदानी अधिकारी-कर्मचारियों की मुख्यालय में उपस्थिति सुनिश्चित करें। कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह ने बैठक के दौरान राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए रिकार्ड रूम को निर्वाचन की स्ट्रांग रूम की तरह बनाने पर जोर देते हुए कहा कि अभिलेख डिजिटाइजेशन सहित स्वच्छता एवं साफ-सफाई रखकर नियमित तौर पर दवाई का छिड़काव करें और अग्निशमन यंत्र की अनिवार्य रूप से व्यवस्था करें। रिकार्ड रूम के विद्युत कट-आउट बाहर लगे होने चाहिए। उन्होंने राजस्व प्रकरणों के समय-सीमा में निराकरण पर भी विशेष जोर दिया। कमिश्नर ने वनाधिकार पत्रों के नामांतरण-बंटवारा प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकृत किए जाने कहा। वहीं राजस्व अभिलेखों और वनाधिकार पत्रों के अभिलेखों को रिकार्ड रूम में जमा करने की कार्यवाही में अद्यतन प्रगति लाने के निर्देश दिए।

वर्किंग सीजन में निर्माण कार्यों पर करें फोकस - कमिश्नर ने लोक निर्माण, छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण, छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कम्पनी, जल जीवन मिशन सहित राष्ट्रीय राजमार्ग और क्रेडा के निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए कहा कि वर्किंग सीजन में निर्माण कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर उन्हें द्रुत गति चलाए जाने कहा। कमिश्नर ने स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्र, स्वास्थ्य केन्द्र भवनों में विद्युत कनेक्शन प्रदान करने कहा।

मोतियाबिंद जांच एवं उपचार पर बल

कमिश्नर ने मोतियाबिंद जांच एवं उपचार पर जोर देते हुए दोनों आंख में मोतियाबिंद पीड़ितों का पहले ऑपरेशन किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित एसओपी के अनुसार ऑपरेशन थियेटर की उपलब्धता के आधार पर ही जिला अस्पताल में ऑपरेशन किया जाए या फिर मेडिकल कॉलेज जगदलपुर एवं कांकेर तथा महारानी अस्पताल के अम्बक नेत्र चिकित्सालय में भेजकर पीड़ितों को लाभान्वित किया जाए। उन्होंने समाज कल्याण विभाग से दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग उपकरण प्रदाय करने के लिए संवेदनशीलता के साथ पहल किए जाने के निर्देश दिए। इस हेतु ग्राम पंचायतों से जानकारी एकत्र कर चिन्हांकन शिविर में दिव्यांगजनों का चयन करने सहित उनकी जरूरत के अनुरूप कृत्रिम अंग उपकरण प्रदाय किया जाए।

ग्लोबल वार्मिंग रोकने सबको मिलकर करना होगा संयुक्त प्रयास : कलेक्टर

कांकेर। छत्तीसगढ़ राज्य जलवायु परिवर्तन केंद्र के निर्देशानुसार वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग वनमंडल कांकेर द्वारा आज वृत्त स्तरीय जलवायु परिवर्तन जागरूकता पर आधारित कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें क्लाइमेट चेंज के नियंत्रण एवं उपायों के संबंध में वक्ताओं ने विचार व्यक्त किए। कार्यशाला में उपस्थित कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग एक वैश्विक समस्या है, जिससे भारत सहित विश्व के अधिकांश देश जूझ रहे हैं। ग्राम माकड़ी के निजी होटल में आयोजित कार्यशाला में कलेक्टर ने कहा कि यदि मनुष्य सहित सभी प्राणियों का भविष्य सुरक्षित करना है तो इसके लिए अभी से ठोस कदम उठाना बेहद जरूरी है। दो से तीन दशक में डेढ़ से दो डिग्री तापमान में वृद्धि पूरे ब्रम्हाण्ड के लिए चिंतनीय है। उन्होंने कहा कि इस पर वन विभाग रणनीतियां तैयार कर अनेक उपाय कर रहा है, किन्तु इसे रोकने की जिम्मेदारी सिर्फ वन विभाग की नहीं, बल्कि समस्त विभाग और प्रत्येक मनुष्य की भी है। कलेक्टर ने कहा कि प्लास्टिक को रिसाइकल करने, बारिश के मौसम में वृक्षारोपण कर पौधों को जीवित रखने, खेतों में पराली नहीं जलाने, जंगलों में आग नहीं लगाने, रासायनिक की जगह जैविक खाद अपनाने जैसी सकारात्मक गतिविधियों के साथ ग्लोबल वार्मिंग को रोकने की दिशा में सार्थक प्रयास करना अत्यंत आवश्यक है। इसके पहले, मुख्य वन संरक्षक दुर्ग वृत्त राजेश चंदेले ने कहा कि कभी सघन वनाच्छादित रहने वाले बस्तर संभाग में अब पेड़-पौधों की संख्या में काफी कमी आई है और इसे बचाने के लिए सभी वर्ग को आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि वन के अस्तित्व से ही जलवायु की स्थिरता संभव है और आज की युवा पीढ़ी को यह समझने की बेहद जरूरत है। वक्ता ने बताया- ग्लोबल वार्मिंग में भारत की भूमिका 4.8 प्रतिशत - कार्यशाला में ग्लोबल वार्मिंग एवं प्रकृति संरक्षण विषयों पर अतिथि वक्ताओं ने अपने विचार रखे एवं वैश्विक ताप के दुष्प्रभाव को नियंत्रित करने के लिए अपना अभिमत व्यक्त किया। इसी कड़ी कृषि वैज्ञानिक कोमल केराम ने अतिथि वक्ता के रूप में 'आसेक्ट्स और क्लाइमेट चेंज', पॉलिटेक्निक के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने 'नॉन कनवेंशनल सोर्स ऑफ एनर्जी', डॉ. संदीप कौशिक ने 'एन्वायरमेंटल अवेयरनेस', शरतचंद्र ने 'डिस्ट्रिक्ट क्लाइमेट सेल थ्रो द लेंस', सिद्धार्थ ने 'सप्लाई चेंज एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन क्लाइमेट', सुप्रणिता ने 'एजुकेशन पॉलिसी एंड इट्स रिलेशन विथ क्लाइमेट चेंज' तथा सुअनुभा उपाध्याय ने 'प्लास्टिक एंड एनवायरमेंटल सिरीज' विषय पर अपने विचार रखते हुए ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव को कम करने तकनीकी पहलुओं के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। अधिकांश वक्ताओं ने प्रकृति संरक्षण में मनुष्य की भूमिका, जलवायु अनुकूल जीवन शैली एवं कृषि पद्धति, वैकल्पिक उपायों और जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए प्रमुख घटकों पर व्याख्यान दिया।

संक्षिप्त समाचार

खनिजों के अवैध परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, 5 हाइवा और 3 ट्रैक्टर जब्त

बिलासपुर। कलेक्टर के निर्देश एवं उप संचालक के मार्गदर्शन में जिला बिलासपुर में खनिज विभाग द्वारा अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के खिलाफसख्त कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में खनिज अमले ने जिले के निरतु, सेंदरी, तुरकाडीह, लोखंडी, कोनी, बिरकोना और सरकंडा क्षेत्रों में व्यापक जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान सरकंडा क्षेत्र से खनिज गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए 2 हाइवा तथा रेत का अवैध परिवहन करते 1 हाइवा वाहन को जब्त किया गया। वहीं निरतु क्षेत्र से 1 ट्रैक्टर-ट्रॉली, तुरकाडीह से 1 ट्रैक्टर-ट्रॉली, लोखंडी क्षेत्र से 1 हाइवा और 1 ट्रैक्टर-ट्रॉली को भी अवैध परिवहन करते पकड़ा गया। इसके अलावा अशोक नगर क्षेत्र से मुरुम का अवैध परिवहन करते 1 हाइवा वाहन जब्त किया गया। इस कार्रवाई में कुल 5 हाइवा और 3 ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित 8 वाहनों को जब्त कर पुलिस थाना सरकंडा एवं कोनी की अभिरक्षा में रखा गया है। खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफआगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

अलीपुर द्वार और नागपुर के मध्य एक फेरे के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने तथा उन्हे सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अलीपुर द्वार और नागपुर के मध्य एक फेरे के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है 7 इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायगढ़, बिलासपुर, रायपुर, गोंदिया एवं नागपुर स्टेशनों पर दिया गया है। गाड़ी संख्या 05472 अलीपुर द्वार-नागपुर स्पेशल ट्रेन 21 मार्च (शनिवार) 2026 को अलीपुर द्वार से 06.30 बजे रवाना होगी तथा दलगाँव आगमन 08.10 बजे, प्रस्थान 08.12 बजे, न्यू माल आगमन 09.15 बजे, प्रस्थान 09.17 बजे, सिलीगुड़ी आगमन 11.18 बजे, प्रस्थान 11.20 बजे, न्यू जलपाईगुड़ी आगमन 11.45 बजे, प्रस्थान 11.55 बजे, आलुआबाड़ी रोड आगमन 12.38 बजे, प्रस्थान 12.40 बजे, किशनगंज आगमन 13.03 बजे, प्रस्थान 13.05 बजे, बारसोई आगमन 13.50 बजे, प्रस्थान 13.52 बजे, मालदा टाउन आगमन 16.05 बजे, प्रस्थान 16.15 बजे, रामपुर हाल्ट आगमन 18.25 बजे, प्रस्थान 18.27 बजे, बोलपुर(शांति निकेतन) आगमन 19.07 बजे, प्रस्थान 19.12 बजे, बर्द्धमान आगमन 21.10 बजे, प्रस्थान 21.15 बजे, डानकुनि आगमन 22.07, प्रस्थान 22.12 बजे दूसरे दिन (रविवार) को खड़गपुर आगमन 01.55 बजे, प्रस्थान 02.00 बजे, टाटानगर आगमन 04.05 बजे, प्रस्थान 04.15 बजे, चक्रधरपुर आगमन 05.15 बजे, प्रस्थान 05.20 बजे, राउरकेला आगमन 06.50 बजे, प्रस्थान 07.00 बजे, झारसुगुड़ा आगमन 09.25 बजे, प्रस्थान 09.30 बजे, रायगढ़ आगमन 10.28 बजे, प्रस्थान 10.30 बजे, बिलासपुर आगमन 12.50 बजे, प्रस्थान 13.00 बजे, रायपुर आगमन 15.00 बजे, प्रस्थान 15.05 बजे, गोंदिया आगमन 18.10 बजे, प्रस्थान 18.15 बजे होते हुये 21.00 बजे नागपुर स्टेशन पहुंचेगी

जयरामनगर समपार सड़क मरम्मत एवं ओवरहॉलिंग कार्य हेतु 24 मार्च 2026 तक बंद 7

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल अंतर्गत जयरामनगर स्टेशन यार्ड (कि.मी. 704/01-703/29) में स्थित मानव सहित समपार संख्या-360 (जयरामनगर फाटक) पर सड़क आवागमन को और अधिक सुगम एवं सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से सड़क मरम्मत एवं ओवरहॉलिंग का कार्य प्रगति पर है। उक्त कार्य के फलस्वरूप इस समपार को दिनांक 15 फरवरी 2026 से 20 मार्च 2026 तक सड़क यातायात के लिए पूर्णत: बंद रखा गया था। किन्तु कार्य के दौरान कुछ अतिरिक्त तकनीकी कार्य जुड़ जाने के कारण अब इस समपार को सड़क यातायात हेतु दिनांक 24 मार्च 2026 (मंगलवार) तक पूर्णत: बंद रखने का निर्णय लिया गया है। अब यह समपार दिनांक 25 मार्च 2026 (बुधवार) से पुन: सड़क यातायात के लिए खोला जाएगा। मरम्मत अवधि के दौरान सड़क यातायात के लिए वैकल्पिक मार्ग के रूप में परसदा फाटक, पाराघाट तथा जूठी अंडरब्रिज (एलएचएस) का उपयोग किया जा सकता है। रेल प्रशासन आम जनता को होने वाली असुविधा के लिए खेद व्यक्त करता है तथा इस आवश्यक कार्य में सहयोग हेतु नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा करता है।

डोंगरगढ़ नवरात्रि मेला

श्रद्धालुओं की सुविधा,स्वास्थ्य व सुरक्षित आवागमन हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की व्यापक व्यवस्थाएँ.....

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर डोंगरगढ़ में आयोजित होने वाले विश्व प्रसिद्ध माँ बम्लेश्वरी मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए व्यापक एवं विशेष व्यवस्थाएँ की गई हैं। रेलवे प्रशासन द्वारा इस अवधि में यात्रियों की संभावित अत्यधिक भीड़ को ध्यान में रखते हुए परिचालन, यात्री सुविधाओं तथा सुरक्षा से संबंधित सभी आवश्यक तैयारियाँ समयपूर्व सुनिश्चित की गई हैं। मेले के दौरान देश के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए अनेक महत्वपूर्ण ट्रेनों का ठहराव डोंगरगढ़ स्टेशन पर प्रदान किया गया है, जिससे यात्रियों को सीधे गंतव्य तक पहुँचने में सुविधा हो। इसके साथ ही कई ट्रेनों का विस्तार भी किया गया है, ताकि अधिकाधिक क्षेत्रों से रेल संपर्क सुनिश्चित किया जा सके। विशेष रूप से क्षेत्रीय यात्रियों की सुविधा के लिए डोंगरगढ़ के लिए मेमू स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है, जिससे निकटवर्ती स्टेशनों एवं शहरों से आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को त्वरित एवं किफायती परिवहन सुविधा उपलब्ध हो सके। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्टेशन परिसर में अतिरिक्त टिकट काउंटर, पूछताछ सेवाओं की सुदृढ़ व्यवस्था, प्लेटफॉर्म पर साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था तथा भीड़ नियंत्रण के लिए आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। रेलवे कर्मियों की विशेष तैनाती कर यात्रियों को मार्गदर्शन एवं सहायता प्रदान

की जा रही है, जिससे यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा डोंगरगढ़ स्टेशन पर समुचित एवं सुदृढ़ चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। स्टेशन परिसर में प्राथमिक उपचार केंद्र स्थापित किया गया है, जहाँ आवश्यक दवाइयों एवं उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। किसी भी आपात स्थिति से त्वरित रूप से निपटने के लिए एम्बुलेंस की व्यवस्था भी की गई है। चिकित्सा सेवाओं को प्रभावी बनाए रखने के लिए चौबीसों घंटे डॉक्टरों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है, ताकि यात्रियों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके। इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्यकर्मियों की अलग-अलग शिफ्टों में तैनाती सुनिश्चित कर निरंतर सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं, जिससे मेले की पूरी अवधि के दौरान चिकित्सा व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो सके। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं संतोषजनक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है। रेलवे प्रशासन द्वारा की गई ये समुचित व्यवस्थाएँ न केवल श्रद्धालुओं की यात्रा को सहज एवं सुरक्षित बनाएंगी, बल्कि उन्हें एक सुखद एवं व्यवस्थित यात्रा अनुभव भी प्रदान करेंगी।

15वें वित्त आयोग मद की 1.19 करोड़ से अधिक की राशि अनियमित भुगतान करने पर 8 पंचायत सचिव निलंबित

गौरेला पेंड्रा मरवाही। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने गौरेला जनपद के 8 पंचायत सचिवों द्वारा 15वें वित्त आयोग मद की कुल 1 करोड़ 19 लाख 56 हजार रुपये की अनियमित भुगतान संबंधित वेन्डर को करने पर निलंबित कर दिया है। गुरुवार को जारी अलग-अलग निलंबन आदेश में कहा गया है कि पंचायत सचिवों का यह कृत्य छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा आचरण नियम 1998 के नियम के विपरीत होने पर पंचायत सेवा अनुशासन तथा अपील नियम 1999 में प्रदत्त अधिकारों को प्रयोग करते हुए उन्हें निलंबित किया जाता है निलंबित किए गए पंचायत सचिवों में ग्राम पंचायत तेन्दुमुढ़ा के सचिव उमा शंकर उपाध्याय, ग्राम पंचायत नेवरी नवापारा के सचिव भैयालाल करसायल, ग्राम पंचायत ठाड़पथरा के सचिव नान्हूदास बघेल, ग्राम पंचायत आमाडोब के सचिव ओंकार भानु, ग्राम पंचायत पूटा के सचिव रतन सिंह, ग्राम पंचायत आमगांव के सचिव राधेश्याम मरावी, ग्राम पंचायत साल्हेघोरी के सचिव राजकुमार शर्मा और ग्राम पंचायत हर्राटोला के सचिव त्रिलोक सिंह शामिल हैं। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय जनपद पंचायत गौरेला निर्धारित किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। निलंबन आदेश के अनुसार ग्राम पंचायत तेन्दुमुढ़ा के सचिव द्वारा 29 लाख 98 हजार 445 रुपये का अनियमित भुगतान करने, ग्राम पंचायत नेवरी नवापारा के सचिव द्वारा 26 लाख 13 हजार 200 रुपये का अनियमित भुगतान करने, ग्राम पंचायत ठाड़पथरा के सचिव द्वारा 23 लाख 26 हजार 700 रुपये का अनियमित भुगतान करने, ग्राम पंचायत आमाडोब के सचिव द्वारा 10 लाख 91 हजार 400 रुपये का अनियमित भुगतान करने, ग्राम पंचायत पूटा के सचिव द्वारा 10 लाख 72 हजार 378 रुपये का अनियमित भुगतान करने, ग्राम पंचायत आमगांव के सचिव द्वारा 6 लाख 40 हजार 182 रुपये का अनियमित भुगतान करने, ग्राम पंचायत साल्हेघोरी के सचिव द्वारा 6 लाख 69 हजार रुपये और ग्राम पंचायत हर्राटोला के सचिव द्वारा 5 लाख 47 हजार 700 रुपये का अनियमित भुगतान करने संबंधित वेन्डर को किया गया है।

नवरात्रि व गर्मी को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग सख्त.......

- वाटर प्लांट पर कार्रवाई-हजारों बोतल-पाउच जब्त

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं नियंत्रक खाद्य सुरक्षा के निर्देशानुसार नवरात्रि त्यौहार एवं बढ़ती गर्मी को ध्यान में रखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। आर.आर. देवांगन, अभिहित अधिकारी के मार्गदर्शन में वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी खीर सागर पटेल एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी अविषा मरावी और प्रतीक तिवारी की टीम ने विभिन्न स्थानों पर निरीक्षण कर कार्रवाई की। जांच के दौरान सीपत स्थित गंगोत्री मिनरल एंड वाटर प्लांट से पानी की बोतलों का विधिक नमूना लिया गया। साथ ही मिथ्याछाप (भ्रामक लेबलिंग) पाए जाने पर 1 लीटर की 210 पेटी (प्रत्येक में 12 नग), 250 एमएल की 3030 पानी बोतल तथा 250 एमएल के 29,100 पानी पाउच को सीज किया गया। इसके अलावा दो अन्य फर्मों को सुधार करने हेतु सूचना जारी की गई। टीम द्वारा सेवई, साबूदाना तथा अरहर और चना दाल के नमूने भी जांच हेतु लिए गए। इसी क्रम में रतनपुर स्थित मां महामाया मंदिर में श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण प्रसाद उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रसाद कक्ष का निरीक्षण किया गया। भोग प्रमाणन (सर्टिफिकेट) हेतु खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर परीक्षण के लिए भेजे गए। मंदिर परिसर के बाहर लगे ठेले और गुमटियों की भी जांच की गई, जहां अखाद्य रंग से तैयार चाट को नष्ट कराते हुए संचालकों को खाद्य सुरक्षा मानकों की जानकारी दी गई।

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत राज्य व्यापी महा परीक्षा 22 मार्च को होगा

गौरेला पेंड्रा मरवाही। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत राज्य व्यापी महा परीक्षा 22 मार्च रविवार को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें शिक्षार्थी अपनी सुविधानुसार आंकलन परीक्षा में सम्मिलित हो सकेगें। जिला शिक्षा अधिकारी श्री रजनीश तिवारी ने बताया कि उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में परीक्षार्थियों की सुविधा के अनुसार नजदीक के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के 384 परीक्षा केन्द्र बनाये गयें है, जिसमें साक्षरता केन्द्रों में उल्लास प्रवेशिका के सात अध्याय पूर्ण कर चुके शिक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। महा परीक्षा की तैयारी हेतु विकासखंड शिक्षा अधिकारी, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक, संकुल शैक्षिक समन्वयकों की बैठक लेकर परीक्षा की तैयारी तथा शिक्षार्थियों की शत् प्रतिशत उपस्थिति हेतु निर्देशित किया गया है। तीनों विकासखण्डों में ग्राम प्रभारी शिक्षकों की बैठक कर स्वयंसेवी शिक्षकों के माध्यम से निरंतर कक्षा संचालन हेतु निर्देशित किया गया है। साथ ही कक्षा नवमी से बारहवीं तक के छात्र, छात्राओं को जिन्हें बोनस अंक प्राप्त होना है उनके द्वारा भी 22 मार्च की परीक्षा में अपने दस शिक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र तक सम्मिलित करने हेतु प्राचार्य को निर्देशित किया गया है। कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण जीपीएम द्वारा परीक्षा केन्द्रों में संकुल शैक्षिक समन्वयक तथा परीक्षा केन्द्रो में केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक सह मूल्यांकनकर्ता की नियुक्ति आदेश जारी किया गया है। परीक्षा पूर्व वातावरण निर्माण के लिए प्रचार-प्रसार जैसे-नारा लेखन, रैली, शिक्षार्थी पर्ची का वितरण, आंमत्रण, न्यौतापाती, मुनादी की जा रही है। परीक्षा केन्द्र में शिक्षार्थियों के लिए पेयजल, बैठक एवं अन्य समुचित व्यवस्था हेतु स्थानीय स्तर पर किये जाने के लिए विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिये गये है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत पंचायत विभाग के कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधियों को भी सहयोग की अपील की गई है एवं परीक्षा दिवस पूर्व गांव वातावरण निर्माण हेतु नारा लेखन ,मुनादी करने के निर्देश जारी किए गए हैं। जिला महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र के कार्यकर्ता एवं सहायिका को 22 मार्च परीक्षा दिवस पर सहयोग करने हेतु आवेशित किया गया है। 22 मार्च कोआयोजित परीक्षा के मॉनिटरिंग हेतु जिला एवं विकास खण्ड स्तर पर अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, तथा जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर कंट्रोल रुम भी स्थापित किया गया है। जिला नोडल अधिकारी श्री मुकेश कोरी ने अवगत कराया कि उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत 15 वर्ष से अधिक ऐसे महिला, पुरुष शिक्षार्थियों को सम्मिलित किया जाना है जो शिक्षा की मुख्य धारा में सम्मिलित नही है। शिक्षार्थियों को स्वयंसेवी शिक्षकों द्वारा उल्लास प्रवेशिका के सात अध्याय का अध्यापन कार्य 200 घटें में पूर्ण कराया जाता है। शिक्षार्थियों को प्रश्न पत्र हल करने के लिए 3 घटें का समय दिया जायेगा प्रश्न पत्र के तीन भाग है। पहला भाग-पढना, दूसरा भाग लिखना एवं तीसरा भाग-गणित प्रत्येक भाग 50 अंक का होगा।

माल लदान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की उपलब्धि!

- 250 मिलियन टन फ्रेट लोडिंग का आंकड़ा, पिछले वर्ष से 9 दिन पहले किया हासिल

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने माल परिवहन के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता को एक बार फिर सिद्ध करते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने दिनांक 19 मार्च 2026 को रिकॉर्ड समय में 250 मिलियन टन फ्रेट लोडिंग का आंकड़ा पार कर कीर्तिमान स्थापित किया। विशेष उल्लेखनीय है कि यह उपलब्धि पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 की तुलना में 9 दिन पहले हासिल की गई है, जो दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की निरंतर बढ़ती परिचालन क्षमता, बेहतर योजना एवं प्रभावी क्रियान्वयन का सशक्त प्रमाण है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा इस प्रकार लगातार रिकॉर्ड समय में फ्रेट लोडिंग के लक्ष्यों को प्राप्त करना, भारतीय रेलवे में उसकी अग्रणी स्थिति को और अधिक सुदृढ़ करता है। यह उपलब्धि न केवल माल परिवहन के क्षेत्र में दक्षता को दर्शाती है, बल्कि उद्योगों, ऊर्जा क्षेत्र एवं देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में रेलवे की महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित करती है। इस उपलब्धि के पीछे आधुनिक लोडिंग अवसंरचना, ग्राहक-केंद्रित नीतियाँ, डिजिटल पहल तथा विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। साथ ही, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में अधोसंरचना विकास के कार्य भी तीव्र गति से किए जा रहे हैं। बिलासपुर झारसुगुड़ा के मध्य चौथी रेल लाइन तथा राजनांदगांव नागपुर के बीच तीसरी रेल लाइन का कार्य अंतिम चरण में है, वहीं बिलासपुर नागपुर के मध्य चौथी रेल लाइन का कार्य भी चरणबद्ध रूप से प्रगति पर है। माल परिवहन के साथ-साथ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है। त्योहारों, छुट्टियों एवं अन्य विशेष अवसरों पर होने वाली अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए यात्रियों को अधिकाधिक आरक्षित बर्थ एवं सीट उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विशेष ट्रेनों का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कुशल मार्गदर्शन एवं प्रेरणा में यह उपलब्धि संभव हो सकी है। यह दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की निष्ठा, समर्पण एवं टीमवर्क का प्रतीक है।

नि:शुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर के माध्यम से फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों पर जागरूकता बढ़ाने की पहल.........

- निशुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर प्रत्येक रविवार को प्रात: 11 बजे से 2 बजे? तक , नि:शुल्क पंजीयन शुरू
- शिविर में बार बार सर्दी-खांसी होना, अस्थमा, दमा निमोनिया, टीबी एलर्जी, पैरों में सूजन, घबराहट, बेचैनी, छाती में पानी भर जाना जैसे सभी फेफड़ों एवं छाती से जुड़ी विभिन्न बीमारियों के लिए निशुल्क परामर्श उपलब्ध रहेगा

बिलासपुर। राज्य शासन द्वारा टीबी मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान को पूरा करने के लिए निजी चिकित्सक भी इस अभियान में शामिल हो रहे है। बदलती जीवनशैली, बढ़ते प्रदूषण, धूम्रपान और अनियमित दिनचर्या के कारण फेफड़ों से संबंधित बीमारियां तेजी से लोगों को अपनी चपेट में ले रही हैं। ऐसे में समय रहते जांच और सही परामर्श अत्यंत आवश्यक हो जाता है। इसी उद्देश्य को लेकर छाती, एलर्जी एवं श्वास रोग विशेषज्ञ डॉ. अनिल कुमार डनसेना द्वारा एक नि:शुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर प्रत्येक रविवार को लंग्स एंड चेस्ट केयर क्लीनिक, श्री प्लाजा अशोक नगर चौक, इंडियन काफी हाउस के पास, सरकंडा बिलासपुर में आयोजित किया जाएगा, जहां मरीजों का नि:शुल्क पंजीयन एवं चिकित्सकीय परामर्श किया जाएगा। शिविर में बार बार सर्दी-खांसी होना, अस्थमा, दमा निमोनिया, टीबी एलर्जी, पैरों में सूजन, घबराहट, बेचैनी, छाती में पानी भर जाना जैसे सभी फेफड़ों एवं छाती से जुड़ी विभिन्न बीमारियों के लिए निशुल्क परामर्श उपलब्ध रहेगा। डॉ.अनिल ने बताया कि अक्सर लोग बार बार सर्दी-खांसी, सांस फूलना, सीने में

दर्द/जकड़न या एलर्जी जैसी समस्याओं को मौसमी या सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जो आगे चलकर गंभीर रूप ले सकती हैं। विशेष रूप से अस्थमा और सीओपीडी जैसी बीमारियां लंबे समय तक व्यक्ति को प्रभावित करती हैं और समय पर इलाज न मिलने पर जीवन की गुणवत्ता पर गहरा असर डालती हैं। उन्होंने कहा कि टीबी जैसी संक्रामक बीमारी आज भी समाज में मौजूद है, जिसका सही समय पर निदान और उपचार बेहद जरूरी है। वहीं, बढ़ते प्रदूषण के कारण एलर्जी और श्वास संबंधी समस्याएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में लोगों को जागरूक करना और शुरुआती स्तर पर जांच उपलब्ध कराना इस शिविर का मुख्य उद्देश्य है। शिविर में आने वाले मरीजों को न केवल निशुल्क चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा मिलेगी, बल्कि उन्हें अपनी बीमारी से बचाव, सही उपचार और जीवनशैली में सुधार से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए जाएंगे । यह पहल उन लोगों के लिए विशेष रूप से लाभकारी साबित होगी, जो आर्थिक या अन्य कारणों से समय पर विशेषज्ञ चिकित्सक तक नहीं पहुंच पाते। आयोजकों की ओर से आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाएं और अपने स्वास्थ्य की जांच अवश्य कराएं। शिविर में भाग लेने के लिए इच्छुक लोग नीचे दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क कर नि:शुल्क पंजीयन करा सकते हैं। अग्रिम पंजीयन अनिवार्य एवं निशुल्क है।

सेहत के लिए बेहद लाभदायक है नींबू पानी

नींबू पानी को अगर देशी कोल्ड्रिंक कहा जाए, तो इसमें कुछ गलत नहीं होगा। प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर यह पेय सेहत और सौंदर्य से जुड़े इतने फायदे देता है, जितने आप सोच भी नहीं सकते। जानिए नींबू पानी के कुछ ऐसे ही फायदे जो आपकी सेहत के लिए बेहद लाभदायक हैं -

नींबू विटामिन सी का बेहतर स्त्रोत है। साथ ही, इसमें विभिन्न विटामिन्स जैसे थियामिन, रिबोफ्लोविन, नियासिन, विटामिन बी- 6, फोलेट और विटामिन-ई की थोड़ी मात्रा मौजूद रहती है। यह खराब गले, कब्ज, किडनी और मसूड़ों की समस्याओं में राहत पहुंचाता है। साथ ही ब्लड प्रेशर और तनाव को कम करता है। त्वचा को स्वस्थ बनाने के साथ ही लिवर के लिए भी यह बेहतर होता है। पाचन क्रिया, वजन संतुलित करने और कई तरह के कैंसर से बचाव करने में नींबू पानी मददगार होता है। नींबू पानी में कई तरह के मिनरल्स जैसे आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, कैल्शियम, पोटैशियम और जिंक पाए जाते हैं।

किडनी स्टोन

नींबू पानी का स्वास्थ्य पर पड़ने वाला सबसे महत्वपूर्ण फायदा है, इसका किडनी स्टोन से राहत पहुंचाना। मुख्यरूप से किडनी स्टोन शरीर से बिना किसी परेशानी के निकल जाता है, लेकिन कुछ मामलों में यह यूरीन के बहाव को ब्लॉक कर देते हैं जो अत्यधिक पीड़ा का कारण बनता है। नींबू पानी पीने से शरीर को रिहाइड्रेट होने में मदद मिलती है और यह यूरीन को पतला रखने में मदद करता है। साथ ही यह किडनी स्टोन बनने के किसी भी तरह के खतरे को कम करता है।

डायबिटीज

नींबू पानी, हाई शुगर वाले जूस व ड्रिंक का बेहतर विकल्प माना जाता है। खासतौर से उनके लिए जो डायबिटीज के मरीज हैं या वजन कम करना चाहते हैं। यह शुगर को गंभीर स्तर तक पहुंचाए बिना शरीर को रिहाइड्रेट व एनर्जाइज करता है।

पाचनक्रिया में फायदेमंद

नींबू पानी में मौजूद नींबू का रस हाइड्रोक्लोरिक एसिड और पित्त सिक्रेशन के प्रोडक्शन में वृद्धि करता है, जो पाचन के लिए आवश्यक है। साथ ही यह एसिडिटी और गठिया के खतरे को भी कम करता है। जो लोग आमतौर पर पाचन-संबंधी समस्याओं जैसे एबडॉमिनल क्रैम्प्स, ब्लोटिंग, जलन और गैस की समस्या आदि से परेशान होते हैं, उन्हें नियमित रूप से नींबू पानी का सेवन करना चाहिए।

कब्ज

अगर आपको कब्ज की समस्या है, तो नींबू पानी आपके लिए बेहद फायदेमंद है। प्रतिदिन सुबह गर्म नींबू पानी पिएं और पूरे दिन कब्ज की समस्या से दूर रहें।

इम्यून सिस्टम

नींबू पानी बायोफ्लेवोनॉयड, विटामिन सी और फाइटोन्यूट्रियंट्स का बेहतर स्रेत है जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता की शक्ति बढ़ाने में मदद करता है। इसमें मौजूद आवश्यक विटामिन्स और मिनरल्स के कारण यह शरीर के एनर्जी लेवल को बढ़ाने में मदद करता है।

खराब गला

नींबू पानी को गुनगुना करके पीने से गले की खराबी या फैरिन्जाइटिस में आराम पहुंचाता है।

वजन

हर सुबह शहद के साथ गुनगुना नींबू पानी पीने से अतिरिक्त वजन आसानी से कम किया जा सकता है।

मसूड़ों की समस्या

नींबू पानी पीने से मसूड़ों से संबंधित समस्याओं से राहत मिलती है। नींबू पानी में एक चुटकी नमक मिलाकर पीने से बेहतर परिणाम मिलते हैं।

आयुर्वेद के अनुसार तेज भूख लगने पर कभी खाली पेट न खाएं ये चीजें

कभी-कभी ऐसा होता है कि हमें बहुत तेज भूख लग जाती है और हम उस वक्त हमें जो भी उपलब्ध होता है, वो खाने लग जाते हैं लेकिन ऐसा करना आपके लिए घातक हो सकता है। आयुर्वेद के मुताबिक तेज भूख लगने पर कुछ ऐसी चीजें है, जिन्हें नहीं खाना चाहिए। आइए, जानते हैं कौन-सी हैं वो चीजें-

अमरुद

अमरुद एक ऐसा फल है, जिसे अलग-अलग स्थितियों में खाने पर अलग-अलग परिणाम देखने को मिलते हैं यानी अगर आप सर्दियों में सुबह के वक्त खाली पेट अमरुद खाएंगे, तो आपको पेट दर्द की शिकायत हो सकती है। वहीं, गर्मी में खाली पेट अमरूद खाएंगे, तो यह फायदा देता है। ऐसे में आपको खाली पेट अमरूद नही खाना चाहिए।

सेब

सर्दियों में खाली पेट सेब खाने से बीपी बढ़ सकता है, अगर सुबह सबसे पहले यानी बिना कुछ खाए आप सेब खा लेते हैं, तो इस दिक्कत का सामना आपको करना पड़ सकता है लेकिन गर्मी में आप खाली पेट सेब खा सकते हैं।

टमाटर

टमाटर की तासीर गर्म होती है। इसे आप सर्दी के मौसम में तो खाली पेट खा सकते हैं लेकिन गर्मी के मौसम में ऐसा करने पर पेट में या सीने में जलन की समस्या हो सकती है। आपको सुबह के समय टमाटर खाने से परहेज करना चाहिए।

चाय-कॉफी

चाय या कॉफी को खाली पेट पीने से बचना चाहिए। आप चाय या कॉफी को बिस्किट, ब्रेड के साथ ले सकते हैं लेकिन खाली पेट या तेज भूख लगने पर सिर्फ चाय-कॉफी न लें, इससे आपके पेट में गैस बन सकती है।

दही

बहुत से लोग ऐसे होते है, जिन्हें दही फायदे की जगह पर हानि पहुचा देती है। ऐसे में दही को सुबह के समय खाली पेट खाने से बचना चाहिए, वर्ना आपकी सेहत बिगड़ सकती है।

अमृत है आंवला 10 बेहतरीन फायदे

विटामिन-सी से भरपूर आंवला, हर मौसम में लाभदायक होता है। यह आंखों, बालों और त्वचा के लिए तो फायदेमंद है ही, साथ ही इसके और भी कई फायदे हैं, जो आपके शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। आमतौर पर आंवले का प्रयोग अचार, मुरब्बा या चटनी के रूप में किया जाता है, लेकिन इसका अलग-अलग तरह से सेवन आपके लिए बेहद उपयोगी है। अगर आप नहीं जानते इस अनमोल फल के बारे में तो जरूर पढ़िए -

- डायबिटीज के मरीजों के लिए आंवला बहुत काम की चीज है। पीड़ित व्यक्ति अगर आंवले के रस का प्रतिदिन शहद के साथ सेवन करें तो बीमारी से राहत मिलती है।
- एसिडिटी की समस्या होने पर आंवला बेहद फायदेमंद होता है। आंवला का पाउडर, चीनी के साथ मिलाकर खाने या पानी में डालकर पीने से एसिडिटी से राहत मिलती है। इसके अलावा आंवले का जूस पीने से पेट की सारी समस्याओं से निजात मिलती है।
- पथरी की समस्या में भी आंवला कारगर उपाय साबित होता है। पथरी होने पर 40 दिन तक आंवले को सुखाकर उसका पाउडर बना लें, और उस पाउडर को प्रतिदिन मूली के रस में मिलाकर खाएं। इस प्रयोग से कुछ ही दिनों में पथरी गल जाएगी।
- रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी होने पर, प्रतिदिन आंवले के रस का सेवन करना काफी लाभप्रद होता है। यह शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में सहायक होता है, और खून की कमी नही होने देता।
- आंखों के लिए आंवला अमृत समान है, यह आंखों की रौशनी को बढ़ाने में सहायक होता है। इसके लिए रोजाना एक चम्मच आंवला के पाउडर को शहद के साथ लेने से लाभ मिलता है और मोतियाबिंद की समस्या भी खत्म हो जाती है।
- बुखार से छुटकारा पाने के लिए आंवले के रस में छौंक लगाकर इसका सेवन करना चाहिए, इसके अलावा दांतों में दर्द और कैविटी होने पर आंवले के रस में थोड़ा सा कपूर मिला कर मसूड़ों पर लगाने से आराम मिलता है।
- शरीर में गर्मी बढ़ जाने पर आंवल सबसे बेहतर उपाय है। आंवले के रस का सेवन या आंवले को किसी भी रूप में खाने पर यह ठंडक प्रदान करता है। हिचकी तथा उल्टी होने की पर आंवले के रस को मिश्री के साथ दिन में दो-तीन बार सेवन करने से काफी राहत मिलेगी।
- याददाश्त बढ़ाने में आंवला काफी फायदेमंद होता है। इसके लिए सुबह के समय आंवला के मुरब्बा गाय के दूध के साथ लेने से लाभ होता है, इसके अलावा आप प्रतिदिन आंवले के रस का प्रयोग भी कर सकते हैं।
- चेहरे के दाग-धब्बे हटाकर उसे खूबसूरत बनाने के लिए भी आंवला आपके लिए उपयोगी होता है। इसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने से त्वचा साफ, चमकदार होती है और झुर्रिया भी कम हो जाती हैं।
- बालों को काला, घना और चमकदार बनाने के लिए आंवले का प्रयोग होता है, इसके पाउडर से बाल धोने या फिर इसका सेवन करने से बालों की समस्याओं से निजात मिलती है

कैसे पहचानें कि इम्यून सिस्टम है कमजोर

इम्यून सिस्टम के मजबूत होने पर हम बीमारियों से लड़ सकते हैं। यदि हमारा इम्यून सिस्टम मजबूत है तो बीमारी हम पर हावी नहीं हो सकती। अगर हमारी इम्युनिटी मजबूत है तो यह हमें न सिर्फ सर्दी और खांसी से बचाती है बल्कि हैपेटाइटिस, लंग इंफेक्शन, किडनी इंफेक्शन सहित और कई बीमारियों से हमारा बचाव होता है। लेकिन हमारा इम्यून सिस्टम कमजोर है तो हम इसको कैसे पहचान सकते हैं, क्योंकि कई बार यह होता है इम्यून सिस्टम कमजोर तो होता है, पर हम इसे समझ ही नहीं पाते। आखिर कैसे पहचान करें कि आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है, आइए जानते हैं।

अगर आपको लगता है कि आप बार-बार बीमार हो रहे हैं और जुकाम की शिकायत रहती है। बार-बार सर्दी हो जाना और यदि आपके आस-पास ऐसा कोई व्यक्ति है जिसे खासी है और आपको भी इससे जल्दी खासी या सर्दी हो जाती है तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। बदलते मौसम का आपको बीमार करना आपके कमजोर इम्यून सिस्टम को दर्शाता है। यदि आप मौसम के बदलने पर बीमार हो रहे हैं तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। व्यायाम करते समय सांसों का फूलना व जल्दी थक जाना यह कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। नींद न आना, आंखों के नीचे काले घेरे, थकान महसूस होना- यह भी कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। अगर आपको लगता है कि आप दूसरों की अपेक्षा बार-बार बीमार होते हैं, जुकाम की शिकायत रहती है, खांसी, गला खराब होना या स्किन रैशेज जैसी समस्याएं रहती हैं तो बहुत पॉसिबल है कि यह आपके इम्यून सिस्टम की वजह से हो। कैंडिडा टेस्ट का पॉजिटिव होना, बार-बार यूटीआई, डायरिया, मसूड़ों में सूजन, मुंह में छाले वगैरह भी खराब इम्यूनिटी के लक्षण हैं।

नाश्ते में इन पांच चीजों को खाने से तेजी से बढ़ता है वजन, ज्यादातर लोग करते हैं सेवन

फिटनेस पाने के लिए लोग क्या-क्या जतन करते हैं। कई सर्वे के अनुसार आप शरीर पर चर्बी होने के कारण कई बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। ऐसे में आपको बैली फैट कम करने के साथ फिट रहने की कोशिश करनी चाहिए। खुद को फिट रखने में ब्रेकफॉस्ट का भी अहम रोल होता है, ऐसे में आपको अगर हमेशा स्लिम ट्रिम रहना है, तो ऐसी 5 चीजें हैं, जो आपको नाश्ते में बिल्कुल नहीं खानी चाहिए-

वाइट ब्रेड - ब्रेड ज्यादातर भारतीय घरों में खाई जाती है लेकिन आपको बता दें कि ब्रेड का ज्यादा सेवन करना न सिर्फ आपकी सेहत को नुकसान पहुंचाता है बल्कि इससे आपका वजन भी बढ़ता है। ऐसे में कोशिश करें कि वाइट की जगह ब्राउन ब्रेड का सेवन करें।

प्रोसेस्ड फूड - ऐसे खाद्य पदार्थों को कई बार पकने की क्रिया से गुजरना पड़ता है। साथ ही तेल, मसाले, घी होने की वजह से ये सेहत के लिए भी अच्छे नहीं होते। आपको चिप्स, पॉपकॉर्न, ड्राई फ्रूट्स, स्नैक्स आदि से दूर रहना चाहिए।

केक, कुकीज - केक और कुकीज में मैदे के अलावा घी और क्रीम का इस्तेमाल होता है, जो आपकी फिटनेस के हिसाब से बिल्कुल भी सही नहीं है इसलिए आपको नाश्ते में इन चीजों को नही खाना चाहिए।

नूडल्स - नूडल्स खाने में तो बहुत अच्छे लगते हैं लेकिन इसे हेल्दी ब्रेकफॉस्ट नही माना जा सकता है, इसी वजह से आपको नूडल्स नाश्ते में बिल्कुल नही खाने चाहिए।

फ्रूट जूस - आपको कोशिश करनी चाहिए कि मार्केट में उपलब्ध फ्रूट जूस बिल्कुल न पिएं बल्कि आप घर में ही फलों का जूस निकालकर पी सकते हैं। आपके पास अगर जूस की जगह फल खाने का समय है, तो नाश्ते के लिए सबसे बेहतरीन रहेगा।

पकौड़े-कचौड़ी - सुबह-सुबह तली चीजें खाना बिल्कुल भी सही नहीं है। आप पकौड़े और कचौड़ी जैसी तली हुई चीजें सुबह नही खाएंगे, तो आपकी सेहत के लिए अच्छा रहेगा।

आंखों को थकान से राहत देगा गुलाब जल, कम होगा तनाव

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल न केवल आपके पूरे स्वास्थ्य पर असर डालता है बल्कि इसका असर आपकी नाजुक आंखों पर भी पड़ता है।

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है, वहीं इसी के साथ ही मोबाइल के संपर्क में भी हम ज्यादा रह रहे हैं जिससे आंखों में जलन, धुंधला दिखना व खुजली जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी आंखों की देखभाल करें और जब भी आंखों पर दबाव महसूस करें तो स्क्रीन से दूर हो जाएं और बीच-बीच में आंखों को ठंडे पानी से भी धोते रहें। आंखों की जलन की परेशानी ज्यादा बढ़ जाती है। भले ही इस वक्त आप घर पर हैं लेकिन आंखों में जलन आप महसूस करते होंगे। इसलिए इन समस्याओं से निजात पाने के लिए आपको अपनी आंखों की सही देखभाल की जरूरत है, वहीं गुलाब जल का इस्तेमाल आपको आंखों की समस्या से निजात दिला सकता है। गुलाब जल के इस्तेमाल से आंखों को ठंडक मिलती है, साथ ही ताजगी महसूस होती है। ओवरटाइम काम करने के दौरान आंखों में तनाव महसूस होता है इसके लिए खुद को रिलेक्स करना बहुत जरूरी है। इसके लिए आप कॉटन में गुलाब जल डालें और इसे अपनी आंखों पर रखकर कुछ देर के लिए आंखों को आराम दें। गुलाब जल को आंखों में डालने से भी तुरंत राहत मिलती है, साथ ही फ्रेश महसूस होता है। अत: अपने आंखों का ध्यान रखें और समय-समय पर अपनी पलकों को झपकाते रहें।

30 लाख का काम, रोड पर ठेकेदार ने डाला जला डामर, धूल की तरह उड़ने लगी सड़क

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत ग्राम पनेका में मनमानी

मामला का खुलासा होने के बाद जिम्मेदारों की सफाई आना शुरू

राजनांदगांव। शहर से लगे ग्राम पनेका में डामरीकरण का काम नियमों को नरजअंदाज कर किया जा रहा है। ठेकेदार की मनमानी साफ देखी जा सकती है। यहां जले हुए डामर को लाकर रोड का निर्माण किया गया। इसके बाद क्वालिटी का अंदाजा आप इस तरह लगा सकते है कि डामर पूरी तरह से धूल की तरह उड़ने लगा। अब इसे लेकर विभागीय अफसर और ठेकेदार सफाई दे रहे है, लेकिन मामले का खुलासा होने के बाद यहां थूक पालिश की जा रही है। इसलिए पूरे काम की जांच कर ठेकेदार पर कार्रवाई की जानी चाहिए। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत तकरीबन तीन किलोमीटर तक पनेका रोड पर डामरीकरण का काम ठेकेदार लेखराम साहू के द्वारा किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार खैरागढ़ के पहले ठेकेदार अपने प्लांट से डामर ला रहा है। दो दिन पहले खराब क्वालिटी का डामर लाया गया, जिसे सीधे डामरीकण के उपयोग में ले लिया गया। इसके बाद दूसरे दिन काम आगे भी बढ़ा दिया गया। लेकिन विभागीय अफसर मौन हो रहे। इस मामले में साइड इंचार्ज की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं और इस मामले में वे भी जांच के दायरे में आ रहे है। बताया गया कि डामरीकरण की लागत 30 से 35 लाख रुपए के करीब है।अब पीएमजीएसवाय के जिम्मेदार अधिकारी सब ठीक करा देने की बात कह रहे हैं।

मामले की शिकायत होगी, जिम्मेदार आएंगे लपेटे में

यह मामला काफी गंभीर है, क्योंकि इसमें ठेकेदार लेखराम साहू की मनमानी को नकारा नहीं जा सकता। दूसरी तरफ जिम्मेदार अधिकारी भी मामले का खुलासा होने तक भी मौन ही थे। इसे लेकर राज्य स्तर पर शिकायत की तैयारी की जा रही है। वहीं संबंधित अधिकारियों को भी जांच में दायरे में लाने की बात कही जा रही है। ताकि इसमें जिम्मेदारी भी तय की जा सके।

साइट से बोर्ड भी गायब, कोई जानकारी नहीं

जिस जगह पर निर्माण कार्य किया जाता है, उसकी पूरी जानकारी संबंधित ठेकेदार को बोर्ड लगाकर देनी होती है। ताकि यह सार्वजनिक हो सके कि काम की लागत, शुरू और समाप्ति का दिन कब तय किया गया है। इसके अलावा योजना का भी उल्लेख करना होता है। लेकिन ठेकेदार ने इस मापदंड को भी पूरा नहीं किया गया है।

भिलाई की औद्योगिक और पुलिसिंग व्यवस्था को समझने पहुँचा नेशनल डिफेंस कॉलेज का दल?

62वें वार्षिक भ्रमण पर 16 वरिष्ठ अधिकारियों ने जाना छत्तीसगढ़ का प्रशासनिक और सांस्कृतिक वैभव

भिलाई। नेशनल डिफेंस कॉलेज , नई दिल्ली के 16 वरिष्ठ अधिकारियों का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल अपने शैक्षणिक भ्रमण के दौरान आज भिलाई पहुँचा। इस दल ने यहाँ की विश्वविख्यात औद्योगिक कार्यप्रणाली और आधुनिक पुलिसिंग व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया।

भिलाई इस्पात संयंत्र की सुरक्षा और प्रबंधन को सराहा-भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने भिलाई इस्पात संयंत्र (BSP) का दौरा किया। यहाँ उन्होंने संयंत्र की विशाल कार्यप्रणाली, उत्पादन प्रक्रिया और अत्याधुनिक सुरक्षा इंतजामों की विस्तृत जानकारी ली। प्रबंधन के साथ हुई चर्चा में अधिकारियों ने औद्योगिक सुरक्षा और आपदा प्रबंधन के तालमेल को महत्वपूर्ण बताया।

थाना निरीक्षण और पुलिस मेस में स्वागत-औद्योगिक दौरे के बाद प्रतिनिधिमंडल ने भिलाई के विभिन्न थानों, विशेषकर भिलाई नगर थाना का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने यहाँ की कार्यप्रणाली और अपराध नियंत्रण के तरीकों को समझा। इसके पश्चात भिलाई पुलिस मेस में दुर्ग रेंज के डीआईजी विजय अग्रवाल और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने दल का औपचारिक स्वागत किया।

बस्तर की संस्कृति और तकनीक पर चर्चा-राजस्थान कैडर (2007 बैच) के आईजी अमनदीप सिंह कपूर ने बताया कि इस भ्रमण का उद्देश्य छत्तीसगढ़ की प्रशासनिक दक्षता और सांस्कृतिक विरासत को समझना है। दल ने बस्तर के संवेदनशील क्षेत्रों का भी दौरा किया, जहाँ उन्होंने छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का लुत्फ उठाया और यहाँ की पुरातात्विक धरोहरों को जाना। डीआईजी विजय अग्रवाल ने बताया कि दल के साथ जिले की सीसीटीवी निगरानी प्रणाली और अपराध नियंत्रण की तकनीकी जानकारियाँ भी साझा की गई हैं। इस दौरे को राज्य की औद्योगिक क्षमता और प्रशासनिक मजबूती को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

काली मंदिर: आस्था के साथ इतिहास की अनमोल धरोहर 11वीं-12वीं शताब्दी की मूर्तियां बयां कर रहीं अतीत की कहानी

कवर्धा। नगर स्थित प्रसिद्ध काली मंदिर केवल श्रद्धा का केंद्र ही नहीं, बल्कि प्राचीन इतिहास और पुरातत्व की दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण स्थल के रूप में उभरकर सामने आ रहा है। मंदिर में स्थापित माँ काली की काले ग्रेनाइट से निर्मित प्राचीन मूर्ति के साथ-साथ परिसर में स्थित अन्य मूर्तियां भी 11वीं-12वीं शताब्दी की मानी जा रही हैं, जो फणिनाग वंश कालीन कला और संस्कृति की झलक प्रस्तुत करती हैं। मंदिर प्रांगण में पीपल वृक्ष के आसपास बने छोटे कक्षों में शिव-पार्वती (रावणानुग्रह), अष्टभुजी दुर्गा, अभिलेख युक्त प्रस्तर खंड, अस्पष्ट व खंडित मूर्तियां संरक्षित हैं। हालांकि अभिलेख काफी घिस चुके हैं, जिससे उनका स्पष्ट पाठ संभव नहीं है, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार इंक इम्प्रेशन के माध्यम से इनका अध्ययन किया जा सकता है। इस संबंध में पुराविद अजय चन्द्रवंशी जानकारी देते हैं कि इन मूर्तियों के पचराही क्षेत्र से लाए जाने की संभावना प्रबल है। वर्ष 1992 में प्रकाशित एक आलेख में उल्लेख मिलता है कि तत्कालीन कवर्धा रियासत के दीवान परिवार द्वारा विभिन्न मंदिरों के निर्माण हेतु कंकाली डोंगर (तरेगांव) से शिल्प खंड और प्रतिमाएं मंगवाई गई थीं। इन्हें काली, दंतेश्वरी, शीतला, महामाया और सतबहिनिया देवी के रूप में नगर के अलग-अलग स्थलों पर स्थापित किया गया था। स्थानीय बुजुर्गों की मानें तो काली मंदिर क्षेत्र में पूर्व में मूर्तियों की संख्या अधिक थी। ठाकुर पारा निवासी दिवंगत भंवर सिंह ठाकुर के अनुसार, 1940-50 के दशक में यहां तालाब खुदाई के दौरान भी कई मूर्तियां प्राप्त हुई थीं, जबकि पीपल वृक्ष के नीचे पहले से ही अनेक प्रतिमाएं मौजूद थीं। मंदिर परिसर तीन तालाबों से घिरा हुआ है, जो इस क्षेत्र के प्राचीन धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को और अधिक प्रमाणित करता है। साथ ही, कवर्धा से पूर्व दिशा में स्थित पालीगुड़ा गांव में भी खुदाई के दौरान प्राचीन अवशेष मिलने की पुष्टि होती है, जिससे इस पूरे क्षेत्र के ऐतिहासिक महत्व को बल मिलता है। इन तथ्यों के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि काली मंदिर न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह क्षेत्र प्राचीन सभ्यता, स्थापत्य कला और धार्मिक परंपराओं का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। जरूरत है कि इन अमूल्य धरोहरों का वैज्ञानिक अध्ययन और संरक्षण किया जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी अपने गौरवशाली इतिहास से परिचित हो सकें।

देवी मंदिरों में शुभ मुहूर्त पर आचार्यों ने किया मनोकामना ज्योति कलश की स्थापना

बेमेतरा। चैत्र नवरात्रि पर्व के अवसर पर शहर के देवी मंदिरों में विभिन्न शुभ मुहूर्त पर मनोकामना ज्योति कलश की स्थापना किया गया है इसके साथ ही लोग अपने घरों में भी अपनी मनोकामना ज्योति ज्योत जवारा की स्थापना शुभ मुहूर्त में किया है इस संबंध में माता महामाया मंदिर के पिंटू रोहर ने बताया कि अभिजीत मुहूर्त पर नवरात्रि पर्व पर आचार्य राम जी पाठक के निर्देशानुसार महामाया मंदिर में मनोकामना कुल 57 ज्योति कलश की स्थापना किया गया है जिसमें 53 तेल ज्योति मनोकामना को स्थापना किया गया है एवं 4 घृत मनोकामना ज्योति कलश की स्थापना किया गया है इसी तरह माता शीतला मंदिर में के बारे में जीतू छाबड़ा के द्वारा बताया गया है कि माता शीतला मंदिर में अभिजीत मुहूर्त पर कुल 397 मनोकामना ज्योति कलश की स्थापना की गई है जिसमें 27 घृत ज्योति कलश है यहां रोशन महाराज के निर्देश पर मनोकामना ज्योति कलश की स्थापना किया गया है। इसी तरह मां भद्रकाली मंदिर के समिति के कोषाध्यक्ष महेश शर्मा ने बताया कि शुभ मुहूर्त पर कुल 17-18 मनोकामना ज्योति कलश की स्थापना किया गया है जिसमें एक मनोकामना ज्योति कलश मंदिर समिति का है यहां राम कुमार शास्त्री के निर्देशन पर एवं मंदिर समिति के सदस्यों की उपस्थिति पर मनोकामना ज्योति कलश की स्थापना की गई है। इसके अलावा गौरव पथ पर स्थित मां बमलेश्वरी मंदिर में भी नवरात्रि पर्व पर आचार्य प्रमोद शर्मा के निर्देश पर शुभ मुहूर्त में 10 ज्योति तेल मनोकामना ज्योति कलश की स्थापना किया गया यह जानकारी आनंद साहू ने दिया है। इसी तरह बेमेतरा नगरपालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने बताया कि कल का मंदिर में कुल 47 मनोकामना ज्योति कलश की स्थापना किए गए हैं।

राजहरा टाउनशिप की ज्वलंत समस्याओं के समाधान हेतु छत्तीसगढ़ राज्य खदान श्रमिक संघ ने सौंपा ज्ञापन

बल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ राज्य खदान श्रमिक संघ ने राजहरा टाउनशिप की बिगड़ती व्यवस्था और कर्मचारियों की मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी को लेकर प्रबंधन के प्रति कड़ा रुख अपनाया है। संघ की राजहरा टाउनशिप इकाई ने उपमहाप्रबंधक (नगर प्रशासन) को 11 सूत्रीय मांग पत्र सौंपकर समस्याओं के अविलंब निराकरण की मांग की है। इस बैठक में मुख्य रूप से नगर प्रशासक मंगेश सेलकर, सहायक महाप्रबंधक रमेश हेडाऊ, डी. के. मचगहे, विद्युत विभाग इंचार्ज अतुल कालेश, सुपरवाईजर आर के बादि प्रबंधन की तरफ से शामिल हुए। श्रमिक संघ ने मुख्य रूप से खदान से सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए आवास रिटेंशन स्कीम को पुनः बहाल करने और तृतीय पक्ष आवास आबंटन को फिर से चालू करने की मांग रखी है। संघ का कहना है कि इन योजनाओं के बंद होने से सेवानिवृत्त कर्मियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में मांग उठाई गई की टाउनशिप में बढ़ रहे अवैध कब्जों और बिजली-पानी की चोरी पर तत्काल लगाम लगाई जाए। टाउनशिप की मुख्य सड़कों के साथ-साथ अन्य संपर्क मार्गों की जर्जर स्थिति को देखते हुए उनकी तत्काल मरम्मत कराई जाए। आवासों में मेसन संबंधी कार्य, टूटी खिड़की-दरवाजों की प्राथमिकता से मरम्मत और समय पर रंग-रोगन सुनिश्चित किया जाए। सीवरेज चैंबर, टैंक और पेयजल पाइपलाइनों को आवश्यकतानुसार बदला जाए। टाउनशिप के भीतर भारी वाहनों की अवैध पार्किंग को रोकने के लिए ठोस कार्रवाई की जाए। संघ के अध्यक्ष ने स्पष्ट किया है कि टाउनशिप की इन समस्याओं के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित हो रहा है। यदि इन मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो संघ आगामी रणनीति बनाने पर मजबूर होगा। ज्ञापन की प्रतिलिपि कार्यपालक निदेशक (भिलाई) और मुख्य महाप्रबंधक (राजहरा) को भी आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित की गई है।

इस बैठक में छत्तीसगढ़ राज्य खदान श्रमिक संघ अध्यक्ष राजेंद्र बेहरा, कोषाध्यक्ष नसीम कुरैशी, कार्यकाल सचिव गौतम बेरा, संगठन सचिव राजेश मीणा, उपाध्यक्ष दिलीप सुखदेवे, कमलाकर सिंह, विजेंद्र मीणा, दिनेश विश्वास, विजय भंज, श्याम साहू, प्रभात कुमार, अशोक सिंग, आस्करण, बी आर के नायडू, बाबूराम कड़ेल, अमरीक सिंह, एस सी सरकार, आर के सोनटेके और पदाधिकारी शामिल थे।

योजनाओं के बावजूद सड़कों पर 'भिक्षावृत्ति' : नवरात्रि में मंदिरों के बाहर भिखारियों का कब्जा, प्रशासन मौन

जिम्मेदारी तय करने की जरूरत

इस पूरे मामले में नगर पालिका, समाज कल्याण विभाग और पुलिस प्रशासन की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं। नगर पालिका द्वारा सार्वजनिक स्थलों पर व्यवस्था बनाए रखने में लापरवाही साफ दिख रही है। समाज कल्याण विभाग पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने में असफल नजर आ रहा है। पुलिस प्रशासन भी भीड़ नियंत्रण और भिक्षावृत्ति रोकने में गंभीरता नहीं दिखा रहा।

सिर्फ कवर्धा ही नहीं, जिलेभर का हाल बेहाल

कवर्धा नगर सहित जिले के अन्य कस्बों और धार्मिक स्थलों में भी यही स्थिति बनी हुई है, जिससे यह समस्या अब स्थानीय नहीं बल्कि जिला स्तर की बन चुकी है। यदि समय रहते इस पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो आने वाले दिनों में यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है। प्रशासन को चाहिए कि वह भिक्षावृत्ति पर नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाए, वास्तविक जरूरतमंदों की पहचान करे और योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करे, अन्यथा 'योजना बनाम हकीकत' का यह अंतर यूं ही जनता के सामने शर्मिंदगी का कारण बनता रहेगा।

कवर्धा। नवरात्रि शुरू होते ही शहर के प्रमुख मंदिरों के आसपास भिखारियों का जमघट लगना एक बार फिर प्रशासनिक उदासीनता की पोल खोल रहा है। श्रद्धा और आस्था के इस पर्व में जहां मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है, वहीं दूसरी ओर भिक्षावृत्ति का बढ़ता दायरा व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है। सरकार द्वारा समाज के हर वर्ग के लिए योजनाएं संचालित होने के बावजूद सड़कों पर भिखारियों की संख्या में कमी नहीं आना गंभीर चिंता का विषय है।

महिलाओं के लिए महतारी वंदन योजना, बुजुर्गों के लिए वृद्धा पेंशन, निराश्रित पेंशन, बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षा और सभी के लिए खाद्य सुरक्षा के तहत मुफ्त चावल जैसी योजनाएं लागू हैं, फिर भी हालात जस के तस बने हुए हैं। सवाल ये उठता है कि आखिर ये लोग योजनाओं से वंचित क्यों हैं। क्या ये वास्तव में जरूरतमंद हैं या फिर भिक्षावृत्ति एक संगठित रूप ले चुकी है। मंदिरों में दर्शन करने पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को भी असहज स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। चिल्हर पैसे नहीं होने पर कई बार उन्हें शर्मिंदगी उठानी पड़ती है, तो कई बार लगातार घेराबंदी से मानसिक परेशानी भी झेलनी पड़ती है।

शहर में मैरिज ब्यूरो के नाम पर फ्रॉड युवतियां ठगी रही युवकों से रकम

मामला कवर्धा से भी जुड़ा हुआ, कार्रवाई का इंतजार

राजनांदगांव। शहर में मैरिज ब्यूरो के नाम पर युवकों से फ्रॉड किया जा रहा है।इसमें आधा दर्जन से अधिक युवतियां शामिल है। इसमें कई युवकों से 10 से 15 हजार रुपए लेकर ठगी की जा रही है। सूत्रों की मानें तो युवकों की उम्र के आधार पर मैरिज ब्यूरो से युवतियों से संपर्क कराया जाता है, इसमें के बाद किसी तरह का झांसा देकर रकम ऐंठी जा रही है। यह मामला बसंतपुर थाना क्षेत्र का है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार काफी से यह फ्रॉड शहर के एक रिहाइशी इलाके से किया जा रहा है। इसकी भनक पुलिस के आला अधिकारियों को भी मिल चुकी है। ऐसा माना जा रहा है कि इसमें आने वाले दिनों में कार्रवाई सामने आ सकती है। क्योंकि काफी चीजें इस मामले में साफ हो चुकी है। इस फ्रॉड में युवतियों की संलिप्तता भी स्पष्ट हो गई है। इस कारण इस पर कार्रवाई होनी है। पुलिस अधिकारियों की मानें तो इस पर आने वाले दिनों में एक्शन लिया जाएगा।

कवर्धा जिले से जुड़े है तार

मिली जानकारी के अनुसार यह फ्रॉड जरूर राजनांदगांव के रिहाइशी इलाके का है। लेकिन इसके तार कवर्धा से भी जुड़े होना बताया गया है। अब देखना होगा कि इस नेटवर्क में किस तरह के लोग शामिल है, जो युवतियों से मैरिज ब्यूरो के नाम पर फ्रॉड करा रहे हैं। पुलिस इस मामले में आगे क्या कार्रवाई करेगी, यह भी देखना होगा। क्योंकि मामला संज्ञान में आ चुका है, यह तो स्पष्ट हो चुका है।

सूने मकानों में 10 लाख की चोरी, दो गैंग का कारनामा, महिला सहित 8 गिरफ्तार

डोंगरगांव और बसंतपुर थाना क्षेत्र में हुई थी अलग-अलग वारदात, पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से आरोपियों को अरेस्ट किया

राजनांदगांव। चोरी की दो वारदातों में पुलिस को सफलता हाथ लगी है। इसमें पुलिस ने दो गैंग को गिरफ्तार किया है, जिसमें महिला आरोपी भी शामिल है। मामला डोंगरगांव और बसंतपुर थाना क्षेत्र का है। सीसीटीवी फुटेज की मदद और तकनीकी जांच के बाद आरोपियों तक पहुंच पाई है। इनमें कई आरोपियों का पुराना क्राइम रिकार्ड भी है। आरोपियों के पास से 10 लाख रूपए के जेवरात भी बरामद कर लिए गए हैं, गिरफ्तारी के बाद आरोपियों को जेल दाखिल कर दिया गया है। पत्रकारों से चर्चा करते हुए एएसपी कीर्तन राठौर ने बताया कि 4 मार्च को नंदई में रहने वाले वतन सिंह राजपूत के सूने मकान में अज्ञात चोरों ने धावा बोल दिया। आरोपियों ने घर से सोने का हार, सोने का झुमका, सोने का मंगलसूत्र चोरी किया और फरार हो गए। वारदात की खबर मिलने के बाद आरोपियों की पहचान कर पतासाजी की गई। इस पर पुलिस ने आरोपी शंकर रजक उर्फ बन्टा पिता बसंत रजक निवासी बासपाई पारा राजनांदगांव, निखिल ढीमर उर्फ निकु पिता जीतु ढीमर निवासी ढीमर पारा रानीसागर के पास राजनांदगांव, आलोक भोजपुरी पिता अनिल भोजपुरी निवासी इंदिरानगर राजनांदगांव औश्र सुरेश ढीमर उर्फ सुरजू पिता स्व0 बेदराम ढीमर निवासी बासपाई पारा राजनांदगांव को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ किया गया जो जुर्म करना स्वीकार किया। आरोपियों के पास से पुलिस ने तकरीबन पौने 6 लाख रुपए जेवर बरामद किए।

डोंगरगांव मामले में भी चार आरोपी धरे गए

मिली जानकारी के अनुसार इसी पहले तीन जनवरी को डोंगरगांव के राजीव नगर में रहने वाले प्रवीण सिंह के सूने मकान पर भी चोरी हुई। जहां से चोरों ने तकरीबन 4 लाख रुपए का सामान चोरी कर ले गए। इस पर पुलिस ने जांच शुरू की। कई जगह के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। इसके बाद आरोपी नमीत निर्मलकर निवासी किल्लापारा वार्ड डोंगरगांव, राहुल मालेकर किल्लापारा डोंगरगांव, तुलीका रायकर निवासी चिखली राजनांदगांव, आशीष रायकर चिखली राजनांदगांव को अरेस्ट किया गया। आरोपियों के कब्जे से पुलिस टीम ने चोरी किए हुए पूरे जेवर बरामद किए। जिसकी कीमत तकरीबन चार लाख रुपए थी। आरोपियों को जेल दाखिल कर दिया गया है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com